शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 20 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 21 अगस्त, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा 25 को करेंगे ग्रिट एंड ग्लोरी पुस्तक का विमोचन पेज 2
शिलांग में हिंसा पर असम भाजपा ने जताई चिंता उपद्रवियों के खिलाफ... पेज 3
बसपा प्रमुख मायावती ने यूपी के सरकारी स्कूलों की बदहाली पर जताई चिंता... पेज 5
कार्तिक त्यागी ने की रिंकू सिंह की तारीफ, कहा वह दुनिया के शीर्ष पांच ... पेज 7

door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

राज्य का आधार अपनी इंद्रियों पर विजय पाना है।
- आचार्य चाणक्य

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में परिसीमन वित्तीय संघवाद और नीट समेत कई मुद्दे उठे

दक्षिणी राज्यों ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व और नदी जल अधिकारों पर रखी मांग

चेन्नई (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को तमिलनाडु के महाबलीपुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में दक्षिणी राज्यों के विकास, क्षेत्रीय हितों और साझा प्राथमिकताओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। परिसीमन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, नीट परीक्षा, कावेरी जल बंटवारे और राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता जैसे विषय प्रमुखता से उठे। मुख्यमंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्रीय विकास के लिए केंद्र और राज्यों के बीच सहकारी संघवाद को मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का शामिल हुए। पुडुचेरी के उपराज्यपाल, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल, लक्षद्वीप के प्रशासक तथा विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के वित्तपोषण, बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण, क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराज्यीय सहयोग समेत विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। बंद कमरे में हुई बैठक में केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा साझा चुनौतियों का मिलकर समाधान निकालने पर जोर दिया गया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने परिसीमन का मुद्दा उठाते हुए अगले 25 वर्षों तक 1971 की जनगणना को परिसीमन का आधार बनाए रखने और लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या बरकरार रखने का सुझाव दिया। तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना की ओर से भी परिसीमन को लेकर इसी तरह की चिंता जताई गई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर प्रदर्शन करने वाले दक्षिणी राज्यों को परिसीमन के कारण संसद में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के मामले में नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने केंद्र से स्पष्ट कानूनी आश्वासन देने की मांग की कि जनसंख्या नियंत्रण में सफलता के कारण किसी राज्य के संसदीय प्रतिनिधित्व के प्रतिशत में कमी नहीं की -शेष पृष्ठ दो पर

वंदे मातरम् के पूर्ण गायन से कांग्रेस का इनकार करना राष्ट्र और संविधान का अपमान : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (हिंस)। कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के पूर्ण गायन से परहेज करने के निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस का यह फैसला पूरी तरह राष्ट्र, संविधान और संसद विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। तुष्टिकरण की राजनीति में डूबी कांग्रेस अब राष्ट्रीय गीत के सम्मान को भी राजनीतिक चश्मे से देखने लगी है। अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि वंदे मातरम् केवल गीत नहीं बल्कि भारत की स्वतंत्रता, राष्ट्रभक्ति और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान इसी वंदे मातरम् ने देशवासियों में राष्ट्रभावना और स्वाधीनता की चेतना जगाने का काम किया था। ऐसे राष्ट्रीय गीत के पूर्ण गायन से कांग्रेस का परहेज करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पीएम मोदी ने सुभाषितम् से दिया कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने का संदेश

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा की तरह आज सुबह सुभाषितम् के रूप में प्रसिद्ध संस्कृत ग्रंथ कथासरित्सागर का श्लोक *आपत्काले च कष्टेऽपि नोत्साहस्त्यज्यते बुधैः। इति प्रबोधितस्तेन कथञ्चिद् दृढबुद्धिना।।* एक्स हैंडल पर साझा किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने का संदेश दिया। इस ग्रंथ के रचयिता महाकवि सोमदेव भट्ट हैं।

कांग्रेस आज *नई मुस्लिम लीग* बन गई : नितिन नवीन

नई दिल्ली (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने *वंदे मातरम्* को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अब अपने अपमान को एक प्रस्ताव का रूप दे दिया है। कांग्रेस कार्यसमिति ने निर्णय लिया है कि पार्टी के मंचों पर *वंदे मातरम्* के केवल पहले दो छंद ही गाए जाएंगे। नितिन नवीन ने एक्स पर कहा कि कुछ दिन पहले यही अपमान एक व्यक्ति के आचरण में दिखाई दिया था, जिसे कांग्रेस ने संयोग बताकर टाल दिया। लेकिन अब वही अपमान कांग्रेस की -शेष पृष्ठ दो पर

भारत और जापान ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई

नई दिल्ली (हिंस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी का स्वागत किया और उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों देशों ने *जापान-इंडिया स्पेशल स्ट्रेटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप* के तहत रक्षा सहयोग को लगातार मजबूत करने का स्वागत किया। दोनों मंत्रियों ने फ्री और ओपन इंडो-पैसिफिक को साकार करने के लिए अपने नेतृत्व में डिफेंस सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त बयान में कहा गया कि दुनिया भर में बढ़ते तनाव के समय में दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा माहौल के आकलन को साझा करना जरूरी है। उन्होंने नेविगेशन और ओवरफ्लाइट की आजादी और सुरक्षा में रुकावट डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई के साथ-साथ जबरदस्ती या दबाव से मौजूदा स्थिति को बदलने की किसी भी कोशिश का कड़ा विरोध किया। दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के अपने वादे को दोहराया और जापान तथा भारत के रक्षा मंत्रालय के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर -शेष पृष्ठ दो पर

असम के इतिहास का गौरवपूर्ण दिन, सतिया थाने में पहली बार फहराया गया था तिरंगा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को राज्य के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े एक ऐतिहासिक प्रसंग को याद किया। उन्होंने कहा कि देश की आजादी से पहले ही जामुगुड़ीहाट के साहसी असमियों ने सतिया पुलिस थाने में पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वर्ष 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों का झंडा हटाकर पुलिस थाने में तिरंगा फहराया गया था। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री मोदी से मिले हिमंत शर्मा, असम में बाढ़ के बाद पुनर्वास और पुनर्निर्माण पर की चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और राज्य में बाढ़ के बाद जारी पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण कार्यों तथा विकास के एजेंडे पर चर्चा की। साउथ ब्लॉक स्थित सेवा तीर्थ में हुई मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण, लोगों की आजीविका बहाल करने और व्यापक स्तर पर पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए असम सरकार की आगामी कार्ययोजना से अवगत कराया। मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह ने कांग्रेस पर साधा निशाना *वंदे मातरम्* को लेकर तुष्टीकरण का आरोप

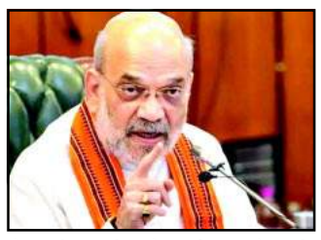

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस कार्यसमिति के *वंदे मातरम्* के पूर्ण गान की जगह केवल दो अंतरे गाने के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे देशविरोधी कदम बताते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस एक बार फिर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति के रास्ते पर लौट रही है। अमित शाह ने कहा कि 1937 में कांग्रेस ने तुष्टीकरण के लिए *वंदे मातरम्* को दो हिस्सों में बांटने का फैसला किया था। उनके मुताबिक, इसी तरह की राजनीति ने दो-राष्ट्र सिद्धांत को ताकत दी और आगे चलकर देश के विभाजन की परिस्थितियां बनीं। उन्होंने कहा कि *वंदे मातरम्* के 150वें वर्ष के अवसर पर मोदी सरकार ने इस ऐतिहासिक गलती को सुधारते हुए पूर्ण गान को -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात के भावनगर में जहरीली शराब के सेवन से अब तक 6 की मौत, 21 अस्पताल में भर्ती

भावनगर (हिंस)। गुजरात में शराबबंदी के बावजूद भावनगर शहर और ग्रामीण इलाकों में कथित तौर पर जहरीली शराब के सेवन से अब तक 6 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 21 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में उपचाराधीन हैं। बीती रात में पांच लोगों की मौत हो चुकी थी। आज सुबह एक और व्यक्ति ने दम तोड. दिया। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नही हुई है। इस घटना से पूरे राज्य में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए गृह विभाग ने जांच स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) को सौंप दी है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। जांच में सामने आया है कि

आरोपियों ने कथित तौर पर ब्रांडेड रॉयल स्टैग शराब की खाली बोतलें, ढक्कन और स्टिकर जुटाए और उनमें केमिकल मिश्रित जहरीला तरल भरकर नकली शराब के रूप में बेच दिया। एफएसएल और मेडिकल जांच के अनुसार, जहरीली शराब की चपेट में आए 10 मरीजों के रक्त और यूरिन सैंपल में करीब 38.59 प्रतिशत घातक मेथनॉल पाया गया, जबकि इथेनॉल की मात्रा केवल 0.94 प्रतिशत बताई गई है। मामले की कड़ी पुलिस कर्मी की एक पार्टी के बाद सामने आई। 18 अगस्त को भावनगर जिले के पुलिस थानों को एलसीबी की ओर से सतर्क किया गया था। खरकड़ी गांव के रहने वाले विजयराजसिंह गोहिल का पुलिस भर्ती में चयन होने पर उन्होंने अपने दोस्तों उपेन्द्रसिंह गंभीरसिंह गोहिल, हरपालसिंह प्रदीपसिंह गोहिल और जयदीपसिंह -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बाढ़ प्रभावित घरों की सफाई और खेती की तैयारी में जुटे लोग

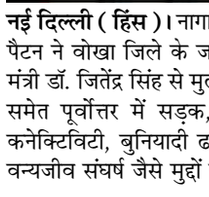

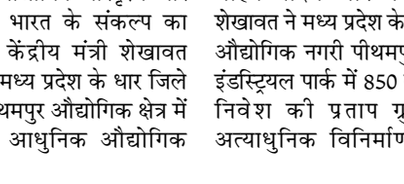

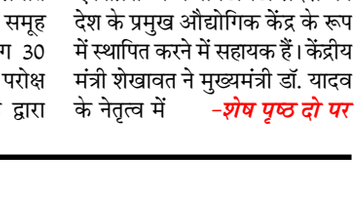

गुवाहाटी (हिंस)। असम में आई बाढ़ अपने पीछे तबाही के निशां छोड़ गई है। लोगों का जीवन धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगा है। बाढ़ प्रभावित लोग अब घरों में फैली बाढ़ के साथ आई मिट्टी की गाद की सफाई, नष्ट हो चुके घरों की मरम्मत और बरबाद हो चुके खेतों फिर से तैयार करने की कठिन चुनौती का सामना कर रहे हैं। राज्य की सभी नदियां खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं। बाढ़ का प्रभाव अब 4 जिलों में है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) -शेष पृष्ठ दो पर

धर्मेंद्र प्रधान ने *वंदे मातरम्* को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना तुष्टीकरण की राजनीति का लगाया आरोप

भुवनेश्वर (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं संबलपुर से सांसद धर्मेंद्र प्रधान ने *वंदे मातरम्* को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में प्रधान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की कथित तुष्टीकरण की राजनीति एक बार फिर सामने आई है और इस बार निशाने पर देश का राष्ट्रगौरव *वंदे मातरम्* है। प्रधान ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान *वंदे मातरम्* ने देशवासियों में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कांग्रेस कार्यसमिति के *वंदे मातरम्* के पूर्ण गान से पीछे हटने के कथित निर्णय को पार्टी की पुरानी तुष्टीकरण की राजनीति की पुनरावृत्ति बताया। उन्होंने अपने पोस्ट में 1937 के घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि उस समय भी कांग्रेस ने वोट बैंक के दबाव में *वंदे मातरम्* के इस्तेमाल को सीमित करने का निर्णय लिया था। प्रधान ने दावा किया कि उस दौर की तुष्टीकरण -शेष पृष्ठ दो पर

जेन-जी तक पहुंच बनाने की तैयारी में भाजपा 14 से 22 साल के युवाओं पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली (हिंस)। जेन-जी के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने और युवाओं से सीधा संवाद स्थापित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने नई रणनीति तैयार की है। पार्टी अब पारंपरिक एकतरफा संदेशों के बजाय इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और रेडिट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इंटरैक्टिव संवाद बढ़ाने के साथ-साथ कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में छात्रों से सीधे मिलने की योजना पर काम कर रही है। नीट परीक्षा विवाद के बाद छात्रों के आंदोलनों और युवाओं के बीच बने माहौल को देखते हुए पार्टी ने 14 से 22 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं तक पहुंचने का फैसला किया है। इसके लिए सभी राज्यों के संगठन को दिशा-

निर्देश जारी किए गए हैं और अभियान पूरे साल चलाया जाएगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यह अभियान दो स्तरों पर चलेगा । पहला, डिजिटल आउटरीच इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और रेडिट जैसे प्लेटफॉर्म पर युवाओं की भाषा और शैली में संवाद। टेक्स्ट की जगह रील्स, शॉर्ट वीडियो और विजुअल कंटेंट पर जोर। युवाओं की राय और फीडबैक लेने के लिए दोतरफा संवाद की रणनीति। और दूसरा, केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता संस्थानों में सीधा संवाद करेंगे। कॉलेज, विश्वविद्यालय, स्कूल, कोचिंग संस्थान और स्पोर्ट्स क्लबों में छात्रों से अनौपचारिक बातचीत करेंगे। संवाद को गैर-राजनीतिक रखा जाएगा और पार्टी के झंडे-बैनर का इस्तेमाल नहीं होगा। मीडिया को कार्यक्रमों से दूर रखा जाएगा और संवाद के बाद कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया जाएगा। छात्र यदि बातचीत रिकॉर्ड करते हैं तो उस पर रोक नहीं होगी। युवाओं की सुविधा के अनुसार संवाद -शेष पृष्ठ दो पर

मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन
भारत सिंगापुर ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर की चर्चा

नई दिल्ली (हिंस)। भारत और सिंगापुर के बीच गुरुवार को मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। यह चौथा सम्मेलन सिंगापुर में आयोजित किया गया था। डॉ जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि हमें सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान पर हमने भारत-सिंगापुर संबंधों के विभिन्न पहलुओं में हुई प्रगति पर चर्चा की। इस साझेदारी को आगे बढ़ाने के बारे में उनके विचारों को मैं बहुत महत्व देता हूं। -शेष पृष्ठ दो पर

नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन ने डॉ. जितेंद्र सिंह से की मुलाकात पूर्वोत्तर के विकास और कनेक्टिविटी पर की चर्चा

नई दिल्ली (हिंस)। नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन ने वोखा जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की। बैठक में नागालैंड समेत पूर्वोत्तर में सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी, बुनियादी ढांचे, आजीविका तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे ने इस क्षेत्र को देश की आर्थिक विकास यात्रा से और मजबूती से जोड़ा है। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर में हवाई अड्डों की संख्या 2014 के 9 से बढ़कर 2026 में 17 हो गई है। वहीं, उड़ान योजना के तहत करीब 90 क्षेत्रीय हवाई मार्ग संचालित किए जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सड़क, रेल, हवाई और जलमार्ग के साथ डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, व्यापार और रोजगार के नए अवसर बढ़े हैं। पूर्वोत्तर अब भारत की *एक्ट ईस्ट* नीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बन रहा है। बैठक में वोखा-मेरापानी सड़क को गोलाघाट तक राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने, वोखा-बोकाजान सड़क के उन्नयन और वोखा में जिला कार्यालय परिसर, बाजार, स्टेडियम तथा संपर्क मार्गों के विकास की -शेष पृष्ठ दो पर

भारत की बदलती औद्योगिक तस्वीर का प्रतीक हैं पीथमपुर में दो नई औद्योगिक इकाइयां : गजेंद्र सिंह शेखावत

भोपाल (हिंस)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पीथमपुर में बैटरी स्टोरेज प्लांट और ऑप्टिकल फाइबर केबल के बैकवर्ड इंटीग्रेशन के तहत कोर निर्माण इकाई का शुभारंभ मध्य प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। दोनों इकाइयों में लगभग 850 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि ये नई दो इकाइयां केवल 2 कारखानों का उद्घाटन नहीं, बल्कि भारत के तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का प्रतीक हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत गुरुवार को मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित 2 आधुनिक औद्योगिक

इकाइयों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री शेखावत ने मध्य प्रदेश के सबसे बड़ी औद्योगिक नगरी पीथमपुर के स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क में 850 करोड़ रुपए निवेश की प्रताप ग्रुप की 2 अत्याधुनिक विनिर्माण इकाइयों कॉर्सिस इंडस्ट्रीज एवं वोल्टर्स टेक्नोलॉजी का शुभारंभ किया। इन इकाइयों से सैकड़ों युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैटरी स्टोरेज प्लांट देश की बढ़ती ग्रीन एनर्जी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जबकि ऑप्टिकल फाइबर इकाई डिजिटल कनेक्टिविटी और संचार अधोसंरचना को मजबूती देगी। ऊर्जा भंडारण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और पीथमपुर की यह इकाई निर्बाध विद्युत आपूर्ति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत के विनिर्माण क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुआ है। भारत अब वैश्विक विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला में अपनी मजबूत भूमिका बना रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल निर्माण के क्षेत्र में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने बताया कि इस समूह के विभिन्न प्रयासों से लगभग 30 हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार मिल रहा है। समूह द्वारा स्थापित कौशल विकास केंद्रों में वर्तमान में 2 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है और आने वाले समय में लगभग 5 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्याप्त बिजली, जल, कच्चा माल, बेहतर सड़क एवं लॉजिस्टिक्स अधोसंरचना तथा निवेश अनुकूल नीतियों के कारण औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर और बेहतर एक्सप्रेस-वे कनेक्टिविटी प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में सहायक हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल के घर ईडी का छापा

रायपुर (हिंस)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल के सिहावा रोड स्थित घर पर दबिश दी है। ईडी की टीम सुबह करीब 7 बजे दो अलग-अलग गाड़ियों से अग्रवाल के घर पहुंची। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार एक टीम में सुरक्षा बल के जवानों समेत कुल आठ सदस्य शामिल हैं। घर के बाहर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। अधिकारी घर के अंदर दस्तावेजों और अन्य जरूरी रिकॉर्ड की जांच कर रहे हैं। ईडी का दावा है कि सिंडिकेट द्वारा जुटाए गए अवैध कमीशन और करोड़ों रुपए के काले धन को ठिकाने लगाने (मनी लॉन्ड्रिंग) में रामगोपाल अग्रवाल की मुख्य भूमिका रही है। कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल इस समय रायपुर सेंट्रल जेल (केंद्रीय जेल, रायपुर) में बंद हैं। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब और कोयला लेवी घोटाला मामलों में जांच एजेंसियों की पूछताछ और कस्टडी रिमांड खत्म होने के बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक रिमांड (जेल) पर भेजा है। वे पहले से ही सेंट्रल जेल में एक विचाराधीन कैदी के रूप में बंद थे। इसी दौरान 11 अगस्त 2026 को प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें जेल के भीतर से ही शराब घोटाले के मनी लांड्रिंग मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा 25 को करेंगे *ग्रिट एंड ग्लोरी* पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा उससे जुड़े विभिन्न संगठनों के कार्यों के जरिए असम समेत देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन की जानकारी देने वाली अंग्रेजी पुस्तक *ग्रिट एंड ग्लोरी* का विमोचन संघ के दिल्ली स्थित मुख्यालय केशव कुंज में 25 अगस्त को किया जाएगा। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा बतौर मुख्य अतिथि और पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के आयोजकों के मुताबिक अंग्रेजी में लिखी गयी पुस्तक *ग्रिट एंड ग्लोरी* के लेखक अभिजीत जोग हैं। पुस्तक को सुरुचि प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। असम के विभिन्न क्षेत्रों में 1965 से 71 तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहे हरिभाऊ मिरासदार का इस पुस्तक की सामग्री के संकलन में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने राज्यभर में कम से कम 175 कार्यकर्ताओं के साक्षात्कार लिये और अन्य जानकारी भी जुटाई। हरिभाऊ मिरासदार ने हिंदुस्थान समाचार को बताया कि इस पुस्तक में संघ और उसके विविध संगठनों के पूर्वोत्तर क्षेत्र में किए गए कार्यों के माध्यम से सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन का संक्षिप्त रूप से उल्लेख है। इसके साथ ही उन 62 कार्यकर्ताओं का साक्षात्कार भी दिया गया है जिन्होंने असम में संघ कार्य को विस्तार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मिरासदार के मुताबिक असम समेत पूर्वोत्तर क्षेत्रों में संघ कार्य के जरिए आए सांस्कृतिक परिवर्तन और इसमें कार्यकर्ताओं के योगदान को बताने वाली कोई आधिकारिक पुस्तक नहीं थी। यह पुस्तक बस इसी कमी को पूरा करने का एक प्रयास है। इसके आधार पर हम समझ सकेंगे कि असम और अन्य क्षेत्रों में संघ कार्य के विस्तार के बाद क्षेत्र में कैसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन हुआ और इसमें किन विभूतियों का योगदान रहा है। इस पुस्तक को अंग्रेजी के बाद मराठी, हिंदी और असमी भाषा में भी शीघ्र प्रकाशित किया जाएगा।

मेघालय के वाहनों को गुवाहाटी में प्रवेश से रोका गया

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी शिलांग में खासी छात्र संगठन द्वारा बाइक रैली के दौरान बीते बुधवार को असम के वाहनों को निशाना बनाए जाने के बाद असम और मेघालय के बीच विवाद और तनाव बढ़ गया है। जिसके कारण मेघालय से गुवाहाटी की ओर आने वाले (खानापारा से जोराबाट सीमा) मेघालय के पंजीकृत वाहनों के प्रवेश को रोकने व लौटाए जाने से आम नागरिकों के अलावा यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेघालय में असम के वाहनों को निशाना बनाते हुए बीते बुधवार को किए तोड़फोड़ के बाद आज असम में मेघालय के वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। असम के परिवहन संगठनों एवं आम नागरिकों द्वारा प्रतिक्रिया स्वरूप आज मेघालय के वाहनों को रोका जा रहा है। ज्ञात हो कि इससे पहले भी टैक्सी विवाद सामने आया था उस दौरान मेघालय के कुछ संगठनों और टैक्सी यूनियनों (जैसे ऑल खासी मेघालय टूरिस्ट टैक्सी एसोसिएशन) द्वारा असम के पर्यटक वाहनों को मेघालय के पर्यटन स्थलों पर जाने से रोकने के नियम बनाए गए थे। उस समय भी विरोध में असम के मोटर परिवहन संगठनों (मोटर परिवहन सेवकर्मी सम्मिलित मंच) ने गुवाहाटी, जोराबाट और खानापारा के पास मेघालय नंबर के वाहनों को रोका था। मेघालय में बीते बुधवार को हुई घटना के बाद आज गुवाहाटी के खानापारा और जोराबाट में वाहन चालक एवं वाहन मालिकों के द्वारा मेघालय के वाहनों असम में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। जिसके चलते सीमावर्ती इलाके में भारी तनाव व्याप्त है।

बीसीआई चेयरमैन मनन मिश्रा के इस्तीफे की मांग तेज, वकीलों का प्रदर्शन

नई दिल्ली (हिंस)। हैदराबाद स्थित नेशनल अकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च (नालसार) के अंतिम वर्ष के लॉ स्टूडेंट का एनरॉलमेंट रोकने संबंधी बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के चेयरमैन मनन मिश्रा के सर्कुलर के बाद उनके इस्तीफे की मांग ने जोर पकड़ ली है।वकीलों के एक समूह ने गुरुवार को बीसीआई दफ्तर पर प्रदर्शन किया। कल यानी 21 अगस्त को ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन (एआईएलयू) ने भी मनन मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर देशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान किया है। वकीलों ने राऊज एवेन्यू स्थित बीसीआई दफ्तर पर प्रदर्शन किया। इन वकीलों का कहना है कि मनन मिश्रा वकीलों का भला न कर उसके खिलाफ ही सर्कुलर जारी करते हैं। शाहदरा बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव रमन शर्मा ने कहा कि किसी वकील का बीसीआई के चेयरमैन के रुप में अनिश्चितकालीन कार्यकाल कैसे हो सकता है। एआईएलयू के राष्ट्रीय महासचिव और उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ वकील पीवी सुरेंद्रनाथ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 16 अगस्त को कोच्ची में हुई नेशनल काउंसिल की बैठक ने मनन मिश्रा के मनमाना और अलोकतांत्रिक फैसले की आलोचना की। एआईएलयू के बयान में कहा गया है कि मनन मिश्रा ने बीसीआई की गरिमा और स्वायतता का अपमान किया है। एआईएलयू ने मनन मिश्रा के तुरंत इस्तीफे की मांग की है। इसी कड़ी में देशभर में एआईएलयू से जुड़े वकील मनन मिश्रा के इस्तीफे की मांग के लिए प्रदर्शन करेंगे। 13 अगस्त को बीसीआई के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा के हस्ताक्षर से एक सर्कुलर जारी किया गया था, जिसमें नालसार के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में मुख्य न्यायाधीश के शामिल होने का विरोध करने वाले छात्रों को बतौर वकील रजिस्ट्रेशन करने पर रोक लगाने का आदेश दिया गया था। मनन कुमार मिश्रा के हस्ताक्षर से जारी इस सर्कुलर के जारी होते ही इसका जमकर विरोध होने लगा। केरल बार काउंसिल और बीसीआई के सदस्य एन मनोज कुमार ने विरोध जताते हुए मनन मिश्रा को पत्र लिखा। वकीलों के संगठन ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन (एआईएलयू) और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने भी मनन मिश्रा के इस सर्कुलर की आलोचना करते हुए वापस लेने की मांग की। सर्कुलर के बढ़ते विरोध के बाद मनन मिश्रा ने छात्रों का बतौर वकील रजिस्ट्रेशन नहीं करने के पहले के आदेश 13 अगस्त को वापस ले लिया। हालांकि इस सर्कुलर पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सख्त नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि बीसीआई का रुख बिल्कुल गलत है।

17 अवैध घुसपैठियों को वापस भेजा गया : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि राज्य में विभिन्न रास्तों से भारत में घुसने की कोशिश कर रहे 17 अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें वापस भेज दिया गया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि असम की धरती पर किसी भी परिस्थिति में अवैध घुसपैठ स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि असम पुलिस ने सतर्कता और सक्रियता दिखाते हुए इन घुसपैठियों की पहचान की और उन्हें भारत में प्रवेश करने से रोक दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानूनी तरीके से आने वालों के लिए असम के दरवाजे खुले हैं, लेकिन अवैध रूप से प्रवेश करने वालों के लिए एक ही रास्ता है-वापस भेजना। उन्होंने कहा कि असम की भूमि, जनता के अधिकारों और सुरक्षा के हित में अवैध घुसपैठ के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। शर्मा ने अपने पोस्ट में संदेश दिया- *नो कागज, नो इंट्री*।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने शुरू किया तीन माह का सतर्कता जागरूकता अभियान

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह से पहले, सतर्कता जागरूकता पर तीन माह व्यापी अभियान शुरू किया है। यह अभियान 17 अगस्त से 18 नवंबर तक चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य रेल अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक आचरण को बढ़ावा देने केसाथ-साथ जनसेवा में सतर्कता बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने गुरुवार को बताया कि इस अभियान के तहत, पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने मालीगांव स्थित पूसीरे मुख्यालय परिसर में सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। वहीं, पूसीरे (निर्माण) के महाप्रबंधक आशीष बंसल के नेतृत्व में मालीगांव स्थित महाप्रबंधक (निर्माण) कार्यालय में शपथ कार्यक्रम हुआ। सभी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों के साथ-साथ पूरे पूसीरे परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी सत्यनिष्ठा की शपथ ली। इस शपथ का उद्देश्य कामकाज के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी और पारदर्शिता लाना है, ताकि काम के माहौल समेत जीवन के हर पहलू से भ्रष्टाचार को खत्म किया जा सके। वर्ष 2026 के सतर्कता जागरूकता सप्ताह का मुख्य विषय *सत्यनिष्ठा से समृद्धि* है। जागरूकता अभियान के तहत, पूसीरे मुख्यालय परिसर से एक वॉकथॉन/सतर्कता जागरूकता पदयात्रा भी निकाली गई, जिसमें रेल अधिकारियों के साथ-साथ पूसीरे के स्काउट्स और गाइड्स ने भी हिस्सा लिया। रेलवे में कामकाज के सभी स्तरों पर ईमानदारी, पारदर्शिता, सतर्कता और जवाबदेही की संस्कृति को मजबूत करने पर जोर दिया गया। साथ ही सभी संबंधित लोगों को पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त कामकाजी माहौल बनाने में उन्हें योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करना है।

रंगापारा रेलवे आरपीएफ टीम ने जब्त किया गांजा

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत रंगापारा रेलवे स्टेशन पर तलाशी अभियान चलाते हुए आरपीएफ टीम ने ट्रेन से गांजा बरामद किया। हालांकि, इस संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पायी है। आरपीएफ सूत्रों ने बताया है कि आज दिन के समय नियमित जांच अभियान के दौरान रंगापारा नार्थ रेलवे आरपीएफ पोस्ट की टीम, जिसमें एसआई सोहन लाल प्रधान, एएसआई धनजीत दास, सीटी दिगंत दास एवं सीटी सुनील कुमार आदि ने प्लेटफार्म संख्या एक पर खड़ी ट्रेन संख्या 15895 अप (आरएनवाई-एमजेडएस पैसेंजर) की जाांच की। जांच के क्रम में आरपीएफ टीम ने कोच संख्या एनएफएसएलआरडी-155728 (एफ) में एक सीट के नीचे नीले रंग का एक लावारिस हैंडबैग बरामद किया। जांच करने पर हैंडबैग के अंदर सफेद प्लास्टिक में लिपटा एक पैकेट तथा काले रंग की साइकिल की ट्यूब मिली।

पृष्ठ एक का शेष

दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद की...

जाएगी। केंद्रसरकार का इस पर कहना है कि प्रस्तावित परिसीमन के तहत किसी भी राज्य की मौजूदा लोकसभा सीटें कम नहीं होंगी। हालांकि, परिसीमन से संबंधित विधेयक को संसद से पारित कराने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। विजय ने कहा कि दक्षिणी राज्य मिलकर देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत से अधिक का योगदान देते हैं और आर्थिक वृद्धि के महत्वपूर्ण इंजन हैं। उन्होंने राज्यों के बीच साझा औद्योगिक एवं माल परिवहन केंद्र विकसित करने तथा उत्पादन केंद्रों को बंदरगाहों से जोड़ने वाले औद्योगिक और माल परिवहन गलियारे बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी परियोजनाओं से निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बेंगलुरु के बोम्मसंद्रा से होसुर तक मेट्रो रेल संपर्क परियोजना को भी तेजी से लागू करने की मांग की। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी कहा कि कर्नाटक भारत की आर्थिक प्रगति में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि देश की करीब 5.5 प्रतिशत आबादी वाले कर्नाटक का भारत की जीडीपी में लगभग नौ प्रतिशत योगदान है। वित्तीय संघवाद के मुद्दे पर विजय ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण, मानव संसाधन विकास और वित्तीय अनुशासन के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को नुकसान नहीं होना चाहिए। उन्होंने राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता का सम्मान किए जाने की मांग करते हुए कहा कि राज्य विशेष रियायत नहीं, बल्कि उचित और समान वित्तीय हिस्सेदारी चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद राज्यों के लचीले राजस्व स्रोत कम हुए हैं। ऐसे में कर दरों के निर्धारण में राज्यों को प्राप्त उचित लचीलेपन को बहाल किया जाना चाहिए। विजय ने दक्षिणी राज्यों में मादक पदार्थों की बढ़ती तस्करी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बिक्री, अवैध वितरण और अंतरराज्यीय तस्करी के माध्यम से नशीले पदार्थ युवाओं तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने दक्षिणी राज्यों के बीच खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान और तस्करी नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि लक्ष्य केवल तमिलनाडु को नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण भारत को नशामुक्त बनाना होना चाहिए। नदी जल विवादों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री विजय ने निचले राज्यों के जल अधिकारों की रक्षा करने तथा उच्चतम न्यायालय, मध्यस्थता न्यायाधिकरण और वैधानिक संस्थाओं के फैसलों को पूरी तरह लागू करने की मांग की। उन्होंने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के फैसलों को समय पर लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने मुल्लापेरियार बांध का जलस्तर 152 फीट तक बढ़ाने संबंधी न्यायालय के निर्देश का भी उल्लेख किया। तमिलनाडु सरकार कावेरी नदी पर प्रस्तावित संतुलन जलाशय परियोजना का विरोध करती रही है। मुख्यमंत्री विजय ने नीट परीक्षा को लेकर भी अपनी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि केंद्रीकृत नीट परीक्षा से ग्रामीण और सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के छात्र प्रभावित हो रहे हैं।

वंदे मातरम् के पूर्ण ...

है। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि राष्ट्र के सम्मान और राष्ट्रीय प्रतीकों के साथ राजनीति नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आज संविधान की दुहाई देती है लेकिन उसे यह भी याद रखना चाहिए कि संविधान की मूल भावना राष्ट्र की एकता, अखंडता और नागरिकों में राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने की है। संसद में राष्ट्रीय गीत के सम्मान और उसके ऐतिहासिक महत्व को लेकर देश की भावनाओं का सम्मान होना चाहिए, न कि वोट बैंक की राजनीति के लिए उसमें विभाजनकारी दृष्टिकोण तलाशा जाए। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् का सम्मान किसी दल, जाति या धर्म का विषय नहीं बल्कि भारत माता और 140 करोड़ देशवासियों के सम्मान का विषय है। कांग्रेस को अपनी राजनीतिक मजबूरियों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित और राष्ट्रीय भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। भारत की जनता राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान और तुष्टिकरण की राजनीति को स्वीकार नहीं करेगी तथा हर भारतीय के मन में वंदे मातरम् का सम्मान सदैव सर्वोच्च रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी से ...

बाढ़ संकट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार स्थिति पर नजर रखते रहे और हरसंभव सहायता प्रदान करते रहे। प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास और पुनर्निर्माण के प्रयासों को पूरा करने में केंद्र सरकार के निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया। डॉ. शर्मा ने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार के कार्यकाल के पहले 100 दिनों में शुरू की गई प्रमुख पहलों की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य असम की जनता द्वारा दिए गए जनादेश को पूरा करना है। बैठक में राज्य की व्यापक विकास प्राथमिकताओं पर भी चर्चा हुई। इनमें आर्थिक विकास को गति देना, बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर आपूर्ति और लोगों के लिए रोजगार एवं अवसरों का विस्तार शामिल है। हिमंत शर्मा ने प्रधानमंत्री के निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए विकसित असम के साझा लक्ष्य को साकार करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

असम के इतिहास का...

इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण घटना में योगदान देने वाले सभी साहसी असमियों को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए उनके योगदान पर गर्व व्यक्त किया।

भारत और जापान ने ...

साइन किए। यह मेमोरेंडम समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए एक फ्रेमवर्क देगा। दोनों मंत्रियों ने सामरिक और ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करने वाले ठोस समुद्री सुरक्षा सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। जापान की तकनीकी विशेषज्ञता और भारत की उत्पादन क्षमताओं का फायदा उठाकर नौसेना को जहाज बनाने और डिजाइन में मिलकर विकास की संभावना तलाशनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों पक्षों को रक्षा जहाज बनाने और उससे जुड़े क्षेत्रों में एक-दूसरे की ताकत का फायदा उठाना चाहिए। दोनों मंत्रियों ने निकट भविष्य में जहाज की मरम्मत की व्यवस्था को पूरा करने सहित जहाज की मरम्मत सुविधाओं के आपसी प्रावधान को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई। दोनों मंत्रियों ने जापान और भारत द्वारा किए जाने वाले द्विपक्षीय अभ्यासों के लगातार विस्तार का स्वागत किया, जिसमें जापान-भारत सेना अभ्यास *धर्म गार्जियन* और जापान-भारत समुद्री अभ्यास *जैमेक्स* हैं। उन्होंने खास तौर पर इस साल दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच होने वाली *वीर गार्डियन* के लिए सहयोग में लगातार हो रही प्रगति का स्वागत किया। इसमें जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स के फाइटर एयरक्राफ्ट पहली बार भारत आएंगे। दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग आगे बढ़ाने के मकसद से अपनी-अपनी स्पेशल ऑपरेशन्स फोर्सेज के बीच एक्सचेंज को बढ़ावा देने और भारत के इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड्स के बनने के बाद उनके साथ कोऑपरेशन को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। राजनाथ सिंह ने रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण के लिए जापान के फ्रेमवर्क के हालिया रिव्यू का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि जापान इंडो-पैसिफिक रीजन और पूरी दुनिया में शांति और स्टेबिलिटी में और योगदान देगा। दोनों मंत्रियों ने जापान, भारत और इंडोनेशिया के साथ पहली त्रिपक्षीय नेवल एक्सरसाइज का स्वागत किया, जो इस साल फरवरी में हुई थी। इंडो-पैसिफिक को पूरी तरह से देखने और इस इलाके और दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए मिलकर योगदान देने के मकसद से वे हाई लेवल एक्सचेंज, एक्सरसाइज और दूसरी जरूरी कोशिशों के जरिए तीसरे देशों के साथ सहयोग को और गहरा करने पर सहमत हुए।

अमित शाह ने कांग्रेस...

कानूनी स्वरूप दिया। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस एक बार फिर वोट बैंक की राजनीति के लिए उसी तुष्टीकरण की राह पर आगे बढ़ रही है। अमित शाह ने कांग्रेस के फैसले को संसद द्वारा बनाए गए कानून की खुली अवहेलना बताया। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे एकजुट होकर कांग्रेस के कथित तुष्टीकरण की राजनीति के खिलाफ आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि *वंदे मातरम्* के साथ पहले हुई गलती के परिणाम देश भुगत चुका है और ऐसी गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए।

गुजरात के भावनगर ...

राजेंद्रसिंह गोहिल को पार्टी दी थी। जयदीपसिंह को छोड़कर अन्य तीन दोस्तों ने कथित तौर पर रॉयल स्टैग शराब पी थी। इनमें से उपेन्द्रसिंह की 18 अगस्त को मौत हो गई। जांच के मुताबिक, यह पूरा नेटवर्क आर्थिक लाभ के लिए कथित रूप से एक सिंडिकेट के रूप में चलाया जा रहा था। वरतेज के नया प्लॉट इलाके की आंबलीवाली शेरी में रहने वाले कथित बुकी/बूटलेगर गौतम सोलंकी और रईस के बीच भावनगर में नकली शराब तैयार करने की डील हुई थी। बताया गया है कि अहमदाबाद के सरखेज इलाके से सफेद तरल पदार्थ, खाली बोतलें, ढक्कन, स्टिकर और मेथनॉल मंगाया गया। केमिकल का मिश्रण तैयार करने के लिए उज्जैन से नरेंद्रसिंह उर्फ *डॉक्टर* को बुलाया गया था। पुलिस के अनुसार केमिकल मिश्रण तैयार करने वाले नरेंद्र सिंह ने खुद भी कथित तौर पर यही जहरीला तरल पी लिया था। उसकी तबीयत 17 अगस्त को बिगड़ी और 18 अगस्त को उसकी मौत हो गई। ट्रांसपोर्ट के जरिए सामान पहुंचने के बाद गौतम के घर पर कथित तौर पर पहले चरण में 51 पेटी नकली शराब तैयार की गई। इसके बाद यह शराब अलग-अलग बूटलेगरों के माध्यम से आसपास के गांवों में सप्लाई की गई। वरतेज पुलिस ने पीआई एसबी पढ़ेरिया की शिकायत के आधार पर 21 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस की जांच में गौतम सोलंकी, रईस, मनोज, जतिन सोलंकी, गणेश, अमन, जुबेर, नरेंद्रसिंह उर्फ डॉक्टर (मृतक), धर्मेंद्रसिंह गोहिल, जगदीप कनैयालाल, विवेक सोलंकी, अर्जुनसिंह, संजय चावड़ा, जयदीप मकवाणा, बार्बव कनैयालाल, हेवल सोलंकी, रोहितभाई चौहान, केवल सोलंकी, सुखदेव सोलंकी और हार्दिक बारैया समेत अन्य के नाम सामने आए हैं। गांधीनगर से स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) के एसपी मयूर चावड़ा के नेतृत्व में टीम भावनगर पहुंच गई है। टीम ने आईजी जे. राजू अंसारी के साथ बैठक कर पूरे नेटवर्क की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि जहरीली शराब के इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, केमिकल कहां से खरीदा गया और 51 पेटी शराब की सप्लाई किन-किन इलाकों तक पहुंची थी।

असम में बाढ़ प्रभावित ...

के 19 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार सभी नदियों का जलस्तर तेजी से घट रहा है। सभी खतरे के निशान से नीचे बह रहीं है। बाढ़ से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 106 है। बाढ़ का प्रभाव अभी शिवसागर, नगांव, गोलाघाट एवं जोरहाट जिलों में है। यहां के 13 राजस्व मंडलों के कुल 90 गांव प्रभावित हैं। इन गांवों के 16922 नागरिक बाढ़ के दंश को झेल रहे हैं। 3057 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। अब मात्र सात सरकारी राहत शिविरों में 262 लोग ठहरे हैं। बुधवार को बाढ़ से प्रभावित जानवरों की कुल संख्या 14645 पहुंच गई। राहत एवं बचाव अभियान में पुलिस एवं प्रशासन की टीमें जुटी हुई हैं। मंगलवार को राज्य सरकार ने 17 मेडिकल टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा क्षति का आकलन करने के लिए सर्वे अभी चल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की है कि सर्वे के बाद सभी तरह के नुकसान की भरपाई की व्यवस्था की जाएगी।

तुष्टीकरण की राजनीति का ...

की राजनीति ने देश की एकता को कमजोर करने वाली शक्तियों को बल दिया और अंततः देश को विभाजन की त्रासदी झेलनी पड़ी। प्रधान ने कहा कि *वंदे मातरम्* के 150वें वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा इसके पूर्ण गान को कानूनी संरक्षण दिए जाने के बाद कांग्रेस का रुख फिर चर्चा में आया है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास की कथित गलतियों से सबक लेने के बजाय उन्हें दोहराने की कोशिश कांग्रेस की वैचारिक कमजोरी को दर्शाती है। प्रधान ने कहा कि देश की एकता और राष्ट्रीय सम्मान किसी भी वोट बैंक से ऊपर हैं और देश *वंदे मातरम्* के सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से यह स्पष्ट करने की मांग भी की कि कांग्रेस के लिए देश का राष्ट्रगौरव अधिक महत्वपूर्ण है या वोट बैंक की राजनीति।

जेन-जी तक पहुंच ...

का तरीका और स्थान तय होगा। परीक्षा, पाठ्यक्रम, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाएं, करियर और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इस अभियान के तहत छात्रों से शिक्षा व्यवस्था में सुधार के सुझाव लिए जाएंगे। समस्याओं के लिए पूर्ववर्ती सरकारों को दोष देने की बजाय समाधान पर चर्चा करने पर जोर रहेगा। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर भी युवाओं की राय जानने की कोशिश की जाएगी। पार्टी संगठन और सरकार में अधिक युवा चेहरों को आगे लाने की रणनीति भी तैयार की गई है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता हर विधानसभा क्षेत्र में विशेष युवा टीमों का गठन करेंगे और शिक्षण संस्थानों में लगातार संवाद बनाए रखेंगे। सूत्रों के अनुसार, बड़े विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम और प्रमुख शोध संस्थानों में स्थानीय सांसदों के साथ केंद्रीय स्तर के वरिष्ठ नेताओं को भी भेजा जाएगा। कोटा, पटना, प्रयागराज, बेंगलुरु, विशाखापट्टनम और तिरुवनंतपुरम जैसे प्रमुख कोचिंग हब पर विशेष फोकस रहेगा, क्योंकि पार्टी का मानना है कि शिक्षक और कोचिंग नेटवर्क बड़ी संख्या में युवाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचते हैं।

भारत सिंगापुर ने द्विपक्षीय...

हमारी बातचीत में उन्नत विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, कनेक्टिविटी, डिजिटल, फिनटेक, स्किलिंग, ग्रीन इकोनॉमी और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में गहरे संबंधों पर आधारित थी। उन्होंने सकारात्मक बातचीत के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद रहे। इसके अलावा, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, उप मुख्यमंत्री गान किम योंग, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं गृह मामलों के समन्वय मंत्री के.षणमुगम, विदेश मंत्री विवियन बाला और डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री के साथ-साथ परिवहन मंत्री जेफ्री सियाव भी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन की पहली (सितंबर 2022) और तीसरी बैठक (अगस्त 2025) नई दिल्ली में जबकि दूसरी बैठक (अगस्त 2024) सिंगापुर में आयोजित की गई थी।

पूर्वोत्तर के विकास और ...

मांग भी उठाई गई। इसके अलावा वोखा जिले में मानव-हाथी संघर्ष का मुद्दा भी प्रमुखता से सामने आया। प्रतिनिधियों ने फसलों और संपत्ति के नुकसान के साथ स्थानीय लोगों की सुरक्षा और आजीविका को लेकर विशेष पैकेज की मांग की। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार का उद्देश्य केवल बुनियादी ढांचा तैयार करना नहीं, बल्कि बेहतर कनेक्टिविटी के माध्यम से रोजगार, आजीविका और आर्थिक अवसरों को बढ़ाना है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र और पूर्वोत्तर राज्यों के बीच निरंतर सहयोग से यह क्षेत्र विकसित भारत के विकास का महत्वपूर्ण इंजन बनेगा।

भारत की बदलती औद्योगिक ...

प्रदेश में निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में निवेश प्रोत्साहन के लिए की जा रही पहल से बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पीथमपुर की दोनों इकाइयां मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, ऊर्जा आत्मनिर्भरता और डिजिटल अधोसंरचना को नई गति देंगी तथा विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को और मजबूत करेंगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज विकास और आत्मनिर्भरता के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। वर्ष 2014 के पहले के भारत और उसके बाद के भारत में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। आज भारत का नवीन स्वरूप पूरी दुनिया के सामने उभरकर आया है। मध्य प्रदेश भी इसी विकास यात्रा में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। नई औद्योगिक इकाइयों से युवाओं को रोजगार देने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज से प्रारंभ हुई नई औद्योगिक इकाइयां विकास और समृद्धि की नई धारा को आगे बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से शुरू हुई दोनों इकाइयां उच्च तकनीक आधारित विनिर्माण एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में मध्य प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं को और मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना सबसे बड़ी आवश्यकता है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और मध्यप्रदेश भी युवा शक्ति से समृद्ध है। युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऑप्टिकल फाइबर और लिथियम बैटरी जैसी आधुनिक तकनीक से जुड़ी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण कदम है। जर्मन तकनीक के सहयोग से स्थापित हो रही ये इकाइयां अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तकनीक और उत्पादन क्षमता का केंद्र बनेंगी। इन उद्योगों के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण भी मिलेगा और उन्हें रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में युवाओं के प्रशिक्षण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इन औद्योगिक गतिविधियों प्रत्यक्ष औरपरोक्ष रूप से लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की संभावना है, इसकी शुरुआत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि निवेश के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी तेजी से बढ़ें, जिससे प्रदेश की आर्थिक समृद्धि को नई गति मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार उद्योगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध करा रही है। रोजगार देने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए सरकार द्वारा प्रति श्रमिक 5 हजार रुपए तक की सहायता का प्रावधान किया गया है।

कांग्रेस आज नई मुस्लिम ...

आधिकारिक नीति बन गया है। उन्होंने कहा कि *भारत माता* की इस पावन वंदना का अपमान उन हजारों स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों का भी अपमान है, जिन्होंने *वंदे मातरम्* को अपनी प्रेरणा बनाकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके अनुसार यह केवल राजनीतिक बचाव नहीं, बल्कि वोट बैंक की राजनीति का प्रमाण है, जिसके लिए कांग्रेस बार-बार राष्ट्र के स्वाभिमान से समझौता करती रही है। नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज *नई मुस्लिम लीग* की तरह व्यवहार कर रही है और उसका यह रुख राष्ट्रीय भावनाओं के विपरीत है।

शिलांग में हिंसा पर असम भाजपा ने जताई चिंता उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

गुवाहाटी (हिंस)। मेघालय की राजधानी शिलांग में बीते बुधवार को हुई हिंसक घटनाओं को लेकर असम प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गहरी चिंता व्यक्त की है। खासी छात्र संघ के नाम पर कुछ उपद्रवियों द्वारा विरोध प्रदर्शन के दौरान पर्यटकों और विभिन्न वाहनों पर किए गए हमलों की प्रदेश भाजपा ने कड़े शब्दों में निंदा की। असम प्रदेश भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर कुछ उपद्रवियों द्वारा मेघालय की राजधानी शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्रों में उत्पन्न की गई हिंसक स्थिति किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हिंसक गतिविधियां निंदनीय हैं और इससे मेघालय तथा अन्य राज्यों के बीच संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मेधी ने कल की हिंसक घटनाओं में शामिल प्रत्येक दोषी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कभी अविभाजित असम की राजधानी रही शिलांग और वर्तमान मेघालय भौगोलिक रूप से भले ही एक अलग राज्य है, लेकिन असम के लोग आज भी मानसिक और भावनात्मक रूप से मेघालय के साथ एकात्मता महसूस करते हैं। इस प्रकार की हिंसक घटनाएं दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच वर्षों से चली आ रही आपसी सद्भावना और संबंधों को प्रभावित करने की आशंका पैदा करती है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा दोनों राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद सहित विभिन्न मुद्दों के समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ लगातार कदम उठा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मेघालय में उपद्रवियों द्वारा असम के पर्यटकों और टैक्सी चालकों पर किए गए हमलों से असम की जनता में नकारात्मक भावना उत्पन्न होने की आशंका है। प्रवक्ता कमल कुमार मेधी ने कहा कि मेघालय सरकार, राज्य के जागरूक नागरिकों तथा विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों को ऐसी आशंकाओं को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। कल की घटना को लेकर आज असम के वाहन चालकों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ने चालकों से अपील की कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति असम में न हो और वे संयम बनाए रखें। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी असम के वाहनों पर मेघालय के उपद्रवियों द्वारा हमले किए जाने की शिकायतें असम के वाहन चालकों द्वारा उठाई जाती रही हैं। बार-बार शिकायत किए जाने के बावजूद मेघालय पुलिस द्वारा उचित कार्रवाई नहीं किए जाने का मुद्दा आज के विरोध प्रदर्शन के माध्यम से वाहन चालकों ने उठाया है। प्रदेश भाजपा ने मेघालय सरकार से इस विषय को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। प्रवक्ता मेधी ने कहा कि मेघालय आने वाले पर्यटकों को आवश्यक सुरक्षा प्रदान करने में विफलता राज्य के पर्यटन उद्योग के लिए भी एक नकारात्मक संदेश है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए मेघालय सरकार के साथ-साथ असम सरकार को भी तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन और सिलसाको बील के पुनर्जीवन पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से की चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात कर असम में जल अवसंरचना को मजबूत करने और दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री के सरकारी आवास पर हुई बैठक में जल शक्ति मंत्रालय और असम सरकार के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने असम में जल जीवन मिशन के कार्यान्वयन को मजबूत करने तथा गुवाहाटी की महत्वपूर्ण शहरी आर्द्रभूमि सिलसाको बील के चल रहे पुनर्जीवन कार्य में तेजी लाने पर विशेष रूप से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि जल शक्ति मंत्रालय 237 करोड़ रुपए की सिलसाको बील पुनर्जीवन परियोजना में लगातार सहयोग कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य आर्द्रभूमि की जल धारण क्षमता को बहाल करना है और इसे अगले वर्ष तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर कहा कि जल शक्ति मंत्रालय ने जल अवसंरचना के विस्तार के साथ-साथ दीर्घकालिक जल सुरक्षा पर भी समान रूप से जोर दिया है। उन्होंने कहा कि इसी प्राथमिकता के तहत केंद्रीय मंत्री के साथ असम में जल जीवन मिशन को मजबूत करने और सिलसाको बील के पुनर्जीवन कार्य में तेजी लाने को लेकर चर्चा हुई। 237 करोड़ रुपए की परियोजना से सिलसाको बील की जल धारण और जल नियंत्रण क्षमता में सुधार होने की उम्मीद है। इससे बाढ़ नियंत्रण तथा गुवाहाटी की शहरी जल व्यवस्था के बेहतर प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में असम और जल शक्ति मंत्रालय के बीच सहयोग और मजबूत होगा। उन्होंने असम में शहरी जल निकायों और आर्द्रभूमियों के पुनर्जीवन के लिए इस सहयोग को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई। राज्य सरकार बाढ़ प्रबंधन को मजबूत करने, जल सुरक्षा बढ़ाने और जलवायु अनुकूल शहरी बुनियादी ढांचे के विकास के व्यापक प्रयासों के तहत शहरी आर्द्रभूमियों और जल निकायों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन को प्राथमिकता दे रही है।

मिसिंग स्वायत्त परिषद की 40 सीटों के लिए प्रारूप फोटो मतदाता सूची प्रकाशित

गुवाहाटी (हिंस)। मिसिंग स्वायत्त परिषद की सभी 40 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए प्रारूप फोटो मतदाता सूची 19 अगस्त को प्रकाशित कर दी गई। गुरुवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह सूची प्रकाशित की गई है। प्रारूप मतदाता सूची के अनुसार, 40 निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 6,53,722 मतदाता हैं। इनमें 3,26,566 पुरुष, 3,27,153 महिलाएं और तीन अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। इन निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1,030 मतदान केंद्र हैं। प्रारूप मतदाता सूची संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास अधिकारी, नगर निकाय, नगर समितियों, उप-पंजीयक कार्यालयों, पुलिस थानों, चाय बागानों और ग्राम पंचायत कार्यालयों में उपलब्ध रहेगी। सूची ऑनलाइन भी उपलब्ध कराई गई है। मतदाता अपने निर्वाचन फोटो पहचान पत्र संख्या के माध्यम से अपना नाम सत्यापित कर सकते हैं और संबंधित मतदान केंद्र की प्रारूप सूची डाउनलोड कर सकते हैं।झ प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किसी नाम या जानकारी के संबंध में 3 सितंबर, 2026 तक दावे और आपत्तियां दाखिल की जा सकती हैं। इसकी प्रक्रिया की जानकारी संबंधित निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी या जिला प्रशासन से प्राप्त की जा सकती है। आगामी मिसिंग स्वायत्त परिषद चुनाव में अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने 1 जनवरी, 2026 के बाद पात्र हुए लोगों के नाम शामिल करने के दावों पर भी विचार करने का निर्णय लिया है। 1 अप्रैल, 2026 या 1 जुलाई, 2026 को संबंधित पात्रता तिथि मानते हुए, भारत निर्वाचन आयोग की पूरक मतदाता सूची में शामिल और वैध निर्वाचन फोटो पहचान पत्र रखने वाले पात्र व्यक्तियों के नाम मिसिंग स्वायत्त परिषद की मतदाता सूची में शामिल करने के दावों पर विचार किया जाएगा।

मंत्री कौशिक राय ने उत्तर और दक्षिण-पश्चिम गुवाहाटी जलापूर्ति परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री कौशिक राय ने गुरुवार को गुवाहाटी जल बोर्ड द्वारा संचालित उत्तर गुवाहाटी और दक्षिण-पश्चिम गुवाहाटी जलापूर्ति परियोजनाओं का दौरा कर उनकी प्रगति और समय पर पूरा करने में आ रही बाधाओं की समीक्षा की। उत्तर गुवाहाटी जलापूर्ति परियोजना के निरीक्षण के दौरान मंत्री को बताया गया कि परियोजना अब कमीशनिंग के करीब है। गुवाहाटी जल बोर्ड के प्रबंध निदेशक रोहन कुमार झा ने बताया कि पांच डिस्ट्रिक्ट मीटर्ड एरिया (डीएमए) में से तीन में फ्लशिंग और ट्रायल रन पूरा हो चुका है। शेष दो डीएमए में फ्लशिंग और ट्रायल रन आईआईटी गुवाहाटी से वितरण जलाशय के तलहटी क्षेत्र में ढलान सुरक्षा एवं अन्य सुरक्षा उपायों संबंधी आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद किया जाएगा। 37 एमएलडी क्षमता वाली यह परियोजना करीब 15,000 परिवारों को जलापूर्ति के लिए तैयार की गई है। इसके तहत पांच डीएमए में लगभग 122 किलोमीटर लंबा वितरण नेटवर्क बनाया गया है। 37 एमएलडी जल शोधन संयंत्र और 10.9 एमएल का वितरण जलाशय कमीशनिंग के लिए तैयार हैं। हालांकि, आईआईटी गुवाहाटी की सिफारिश के अनुसार ढलान सुरक्षा कार्य और जल शोधन संयंत्र का प्रदर्शन गारंटी परीक्षण पूरा किया जाना बाकी है। परियोजना को दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री राय ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए निर्धारित समय सीमा में परियोजना पूरी करने के निर्देश दिए। इसके बाद मंत्री ने दक्षिण-पश्चिम गुवाहाटी जलापूर्ति परियोजना का दौरा किया और परियोजना स्थल पर समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। 107 एमएलडी क्षमता वाली यह परियोजना करीब 30,000 परिवारों को जलापूर्ति करने के लिए तैयार की जा रही है। बैठक में अधिकारियों ने परियोजना के पूरा होने में आ रही विभिन्न बाधाओं और समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। विस्तृत चर्चा के बाद मंत्री राय ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय के माध्यम से समस्याओं का समाधान कर परियोजना को जल्द से जल्द चालू करने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शुक्रवार को गुवाहाटी के सभी संबंधित विधायकों तथा पीडब्ल्यूडी, पीडब्ल्यूआरडी, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल, रेलवे, ऑयल, जीएमडीए और कामरूप तथा कामरूप महानगर जिला प्रशासन समेत सभी संबंधित विभागों एवं एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। परियोजना के पूरी तरह चालू होने के बाद मालीगांव, आदाबाड़ी, जालुकबाड़ी और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को इसका महत्वपूर्ण लाभ मिलने की उम्मीद है। मंत्री राय ने कहा कि गुवाहाटी में शहरी जलापूर्ति ढांचे को मजबूत करने और लोगों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए दोनों परियोजनाओं को समय पर पूरा कर पूरी तरह संचालित करना आवश्यक है। दौरे और समीक्षा बैठक के दौरान गुवाहाटी जल बोर्ड के अधिकारी तथा लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

असम में मसाला खेती के विस्तार पर कृषि मंत्री पीयूष ने दिया जोर

गुवाहाटी (हिंस)। असम कृषि विभाग राज्य में मसाला खेती के विस्तार पर विशेष ध्यान देगा। इसके तहत उत्पादन बढ़ाने, उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार तथा किसानों के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराने पर जोर दिया जाएगा। कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने गुरुवार को जनता भवन में स्पाइस बोर्ड आफ इंडिया के सचिव एमएस मणिवन्नन तथा बोर्ड के नॉर्थ ईस्ट इंडिया रीजनल ऑफिस के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कृषि विभाग, असम के आयुक्त एवं निदेशक भी मौजूद रहे। बैठक में राज्य के मसाला क्षेत्र को मजबूत एवं विस्तारित करने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। कृषि मंत्री ने कहा कि असम में अदरक, हल्दी, काली मिर्च, मिर्च, लहसुन, धनिया, इलायची, तेजपात सहित विभिन्न मसालों के उत्पादन को बड़े पैमाने पर बढ़ाने की क्षमता है। हजारिका ने कहा कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मसालों की बढ़ती मांग किसानों की आय बढ़ाने तथा असम की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। मंत्री ने स्पाइस बोर्ड आफ इंडिया को आश्वासन दिया कि असम सरकार का कृषि विभाग राज्यभर के मसाला उत्पादकों को हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा।

असम प्रीमियर लीग : पहले सीजन के विजेताओं और रनर-अप के लिए इनाम की घोषणा

गुवाहाटी। इम्पीरियल ब्लू पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर असम प्रीमियर लीग के चैंपियन को 50 लाख मिलेंगे, जबकि रनर-अप को 25 लाख मिलेंगे। इससे पहले सीजन के निर्णायक दौर में पहुंचने पर उत्साह और बढ़ गया है। लीग स्टेज के खत्म होने के करीब पहुंचने के साथ ही, गुवाहाटी रॉयल्स, डिब्रूगढ़ वॉरियर्स, बराक लेजेंड्स और बारपेटा ब्रेव्स टॉप चार टीमों के तौर पर उभरी हैं और 21 अगस्त को इम्पीरियल ब्लू पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर असम प्रीमियर लीग के सेमी-फाइनल में मुकाबला करेंगी। दो विजेता टीमें 23 अगस्त को ग्रैंड फाइनल में पहले खिताब के लिए भिड़ेंगी। इम्पीरियल ब्लू पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर असम प्रीमियर लीग में 23 दिनों और 43 मैचों के सीजन में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं।

अवैध संबंधों के विवाद में पति ने धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया में स्थित बरहमपुर हाटबजाली क्षेत्र में एक सनसनीखेज हत्याकांड का मामला सामने आया है। पांच बच्चों के पिता तकसेद अली नामक व्यक्ति ने अपनी ही पत्नी पर दा (असमिया धारदार हथियार) से वार कर उसकी नृशंस हत्या कर दी। मिली जानकारी के अनुसार अवैध प्रेम के कारण पति-पत्नी के बीच लंबे समय से आए दिन विवाद और कलह होती रहती थी। आज यह पारिवारिक विवाद अचानक उग्र हो गया, जिसके बाद गुस्से में आकर आरोपी ने धारदार हथियार से अपनी पत्नी के गले पर वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी इतना उग्र हो गया कि उसने बीच-बचाव के लिए आए पड़ोसियों और ग्रामीणों को भी दा लेकर खदेड़ना शुरू कर दिया, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही रंगिया पुलिस मौके पर पहुंची और मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी तकसेद अली को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

कामरूप में जिला योजना समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले की जिला योजना समिति की बैठक आज अमीनगांव स्थित एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। कामरूप जिला परिषद के अध्यक्ष निपन भुइयां की अध्यक्षता में हुई। इस बैठक में कामरूप के जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में जिला आयुक्त ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद, बैठक के अध्यक्ष निपन भुइयां ने उपस्थित समिति के सदस्यों को संबोधित किया। आज की बैठक का मुख्य विषय वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत वार्षिक कार्य योजना पर चर्चा और अनुमोदन करना था। समिति ने प्रस्तावित वार्षिक कार्य योजना के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और अनुमोदन के लिए प्रस्तुत विषयों पर विचार भी किया। बैठक में कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं जिला योजना समिति के सदस्य-सचिव सिद्धार्थ गोस्वामी, उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी, दारंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया के प्रतिनिधि, कमलपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिगंत कलिता के प्रतिनिधि, खंड विकास अधिकारी, कामरूप जिला परिषद के सदस्य, आंचलिक पंचायत के सदस्य तथा जिला योजना समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

धुबड़ी : बाथरूम करने गई छात्रा की वीडीओ बना रहा शिक्षक गिरफ्तार

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी शहर के 16 नंबर वार्ड में स्थित धुबड़ी भोलानाथ कॉलेज के अध्यापक इंद्रजीत सिंघा आज पूरे शिक्षक समाज को लज्जित कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार कॉलेज में पढ़ रही एक छात्रा की बाथरूम में की नंगा तस्वीर वेंटिलेटर से अपने मोबाइल फोन के द्वारा वीडियो कर पूरे शहर में सनसनी फैला दिया। काफी बवाल के बीच मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने घटनास्थल हुंचकर इंद्रजीत को गिरफ्तार कर थाना में ले आया। मालूम हो कि इंद्रजीत सिंघा का घर पश्चिम बंगाल के मालदा जिले का रहने वाला बताया जाता है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलाईसिस कार्यक्रम के तहत डायलाईसिस केंद्र का उद्घाटन

रंगिया (विभास)। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलाईसिस कार्यक्रम के अंतर्गत महात्मा गांधी मॉडल अस्पताल, बामुनीगांव (कामरूप) में एक नए तीन-बेड वाले डायलाईसिस केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस केंद्र का औपचारिक उद्घाटन बोको-छयगांव क्षेत्र के विधायक राजू मेछ ने किया। उद्घाटन समारोह में कामरूप जिले के उपायुक्त देव कुमार मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में एडीसी (स्वास्थ्य) मोनिका बोरगोहाई, सीडीसी प्रियांशु भारद्वाज, बोको के अंचलाधिकारी कृष्ण अर्जुन बर्मन, छयगांव की सीओ नीतू कलिता, राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के कार्यकारी सदस्य तथा स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। समारोह को संबोधित करते हुए जिला उपायुक्त देव कुमार मिश्रा ने कहा कि आसपास के क्षेत्र में कोई डायलाईसिस सुविधा उपलब्ध न होने के कारण यह तीन-बेड वाला नया केंद्र स्थानीय लोगों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। उन्होंने बताया कि हालांकि डायलाईसिस का इलाज काफी महंगा होता है, लेकिन सरकार की इस कल्याणकारी योजना के तहत पात्र मरीजों को बिल्कुल मुफ्त डायलाईसिस सेवाएं दी जाएंगी। विधायक राजू मेछ ने इस केंद्र के उद्घाटन को क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि बीमारियों के इलाज के साथ-साथ लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और निवारक स्वास्थ्य उपायों के प्रति भी जागरूक होना चाहिए। उम्मीद जताई जा रही है कि यह नवनिर्मित डायलाईसिस केंद्र बोको-छयगांव और आसपास के ग्रामीण इलाकों के निवासियों के लिए सुलभ, सस्ती और नि-शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा।

गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी। असम सरकार के वित्त विभाग ने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग और नीति आयोग के सहयोग से गुवाहाटी के असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में पूर्वोत्तर राज्यों के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में पूर्वोत्तर राज्यों, असम सरकार, नीति आयोग, एशियाई विकास बैंक और अन्य विकास सहयोगियों के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसने पीपीपी को लागू करने के लिए आपसी सीख और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने का एक मंच प्रदान किया। असम सरकार के वित्त विभाग के आयुक्त और सचिव, जयंत नार्लिकर ने सभी प्रतिभागी राज्यों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पीपीपी को केवल वित्तपोषण के तरीके के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे निजी पूंजी, तकनीक और विशेषज्ञता के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के एक व्यापक दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए, जिसमें परियोजना की सफलता के लिए जोखिम का उचित बंटवारा महत्वपूर्ण है। मुख्य अतिथि, असम के मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा ने कहा कि बुनियादी ढांचे की जरूरतों को देखते हुए पूर्वोत्तर क्षेत्र में पीपीपी निवेश की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, ऊर्जा और शहरी बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में पीपीपी परियोजनाएं शुरू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती लया मडुरी ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए इस तरह की पहली कार्यशाला आयोजित करने के लिए असम सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने राजमार्गों, बंदरगाहों और नागरिक उड्डयन के सफल राष्ट्रीय पीपीपी मॉडलों (जैसे हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल) का उल्लेख किया, जो इस क्षेत्र के लिए उपयोगी उदाहरण हो सकते हैं। साथ ही, उन्होंने पीपीपी परियोजनाओं में मदद के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों को भारत सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यशाला में पीपीपी परियोजनाओं के मूल सिद्धांतों और वित्तपोषण के तरीकों, जैसे वायबिलिटी गैप फंडिंग और इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट डेवलपमेंट फंड, पर चर्चा की गई। कार्यशाला में तमिलनाडु इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड के अधिकारियों के साथ बातचीत का भी मौका मिला, जिन्होंने एक व्यापक पीपीपी इकोसिस्टम विकसित करने का अपना अनुभव साझा किया। क्षेत्र-विशिष्ट सत्रों में स्वास्थ्य सेवा, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यटन और सड़कों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई, जबकि अन्य चर्चाओं में निजी निवेश को आकर्षित करने की रणनीतियों और चुनिंदा परियोजना अवधारणाओं की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यशाला का समापन राज्यों द्वारा अपने अगले कदमों की रूपरेखा प्रस्तुत करने के साथ हुआ। इस वर्कशॉप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में व्यावहारिक पीपीपी प्रोजेक्ट्स, राज्य-विशिष्ट पाइपलाइनों और एक टिकाऊ पीपीपी इकोसिस्टम की पहचान करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

संपादकीय

'विरोध' से झुकीं व्यवस्थाएं

देश भर में 'विरोध' एक असरदार मुहावरा और हथियार बन गया है। इसे सामुदायिक प्रयोग भी कह सकते हैं। लगता है कि कष्ट, अन्याय, शोषण इतनी पराकाष्ठा तक पहुंच चुके हैं कि आखिरी विकल्प 'विरोध' ही बचा है। कई बार यह भी एहसास होता है कि 'विरोध' की जमात में अचानक महात्मा गांधी की चेतना जागृत हो उठी है और यह व्यवस्था की चूलें हिला देने पर आमादा है। बिल्कुल शांतिपूर्ण, संयमी, इच्छा-शक्ति से भरपूर, व्यवस्था के प्रतिरोध और धमकियों को झेलते हुए 'विरोध' किए जा रहे हैं। वे कामयाब होकर अपना मकसद भी हासिल कर रहे हैं। यह जमात दिल्ली के जंतर-मंतर या रामलीला मैदान अथवा किन्हीं 'कॉकरोचों' से प्रेरित नहीं है, बल्कि दमन, भ्रष्टाचार और शोषण ने इसे संघर्ष करने को बाध्य किया है। दो उदाहरण अभूतपूर्व और अकल्पनीय लगते हैं। बारिश में भीगती स्कूली छात्राओं ने मुख्य सड़क अवरुद्ध कर दी, क्योंकि वे स्कूल की नकारा, उपेक्षित व्यवस्थाओं से तंग आ चुकी थीं। न अध्यापक, न सुरक्षित क्लास रूम, न स्वच्छ शौचालय और न ही पोषक दोपहर का भोजन..! इस विरोध-प्रदर्शन ने सरकार और प्रशासन को हिला दिया, संबद्ध अधिकारी एकदम दौड़े चले आए और छात्राओं को आश्वस्त किया। विरोध समाप्त कर दिया गया। दूसरा उदाहरण बाबा अंबेडकर की जन्मस्थली महू (मप्र) के पास का है। झार जिले के निसरपुर में 'माता शबरी आवासीय कन्या छात्रावास' में 60 छात्राओं की व्यवस्था थी, लेकिन वहां करीब 150 छात्राओं को 'भेड़-बकरियों' की तरह ठूंस कर रहने को विवश किया गया था। बीते रविवार की देर रात में 9वीं-11वीं कक्षा की 40 छात्राएं खिड़कियों से बाहर कूदीं, नंगे पांव चलती रहीं और पुलिस स्टेशन तक पहुंच गईं। रात के अंधेरे में ही एसडीओ (पुलिस) और तहसीलदार दौड़े चले आए और छात्राओं की शिकायतें सुनीं। छात्रावास की वार्डन और कार्यवाहक प्रिंसिपल को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया। कमोबेश व्यवस्था को विरोध के सामने झुकना पड़ा। दरअसल ये तमाम 'विरोध' दिल्ली, रांची, पटना, लखनऊ, कोलकाता के विभिन्न विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों से भिन्न हैं। इन्हें न तो नौकरी चाहिए, न ही अभी उम्र है और न पेपरलीक या परीक्षा रद्द किए जाने के कारण भविष्य दांव पर है। इनका विरोध बुनियादी व्यवस्थाओं को लेकर है। बहरहाल रांची में अनशन, आंदोलन समाप्त हो गया, लेकिन विरोध, संघर्ष अब भी जारी है। अब वे 1932 नौकरीपेशा चेहरे आंदोलनरत हैं, जिनकी नौकरी छिन रही है। सोरेन सरकार ने 2014 के बाद की तमाम परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। परीक्षा रद्द, तो चयन भी रद्द और नतीजतन नौकरी भी खत्म...! यह बड़ी अजीब स्थिति है। अब ये नौजवान अदालत में जाएंगे। बिहार के पटना में करीब 70,000 पदों पर नियुक्तियां की जानी हैं। वैसे सरकार में कुल 1.10 लाख से अधिक पद खाली हैं। विरोध और युवाओं की धमकी के मद्देनजर सरकार ने मात्र चार घंटे में ही 32,388 शिक्षकों की भर्ती और परीक्षा का विज्ञापन अधिसूचित कर दिया। बिहार में साल-दर-साल परीक्षाएं नहीं होतीं। स्नातक की डिग्री भी 5 साल में मिल पाती है। यदि परीक्षा होती है, तो परिणाम लटके रहते हैं। अराजकता और अव्यवस्था की पराकाष्ठा ऐसी है कि युवाओं की उम्र बढ़ती जा रही है और अब नौकरियां छीनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पश्चिम बंगाल में 2016 में 23,753 शिक्षकों की भर्ती की गई थी। मोटे भ्रष्टाचार के आरोपों के मद्देनजर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वे भर्तियां रद्द कर दीं। सर्वोच्च अदालत ने न केवल उस फैसले को बरकरार रखा, बल्कि आदेश दिया कि जो वेतन लिया गया है, वह ब्याज समेत वापस किया जाए। करीब 8 साल के बाद वे नौकरीपेशा शिक्षक बेरोजगार होने के साथ-साथ कर्जदार भी हो गए। कइयों के परिवार हैं, तो वे कैसे गुजारा करेंगे? यह मानवीय और संवेदनशील सवाल है। आखिर यह कैसी व्यवस्था है? अंततः सारी तरफ विरोध-प्रदर्शन और आंदोलन जारी हैं। सरकारें या तो मूकदर्शक बनी हैं अथवा हार कर ऐसे फैसले कर रही हैं, जो सभी पक्षों के लिए न्यायसंगत नहीं हैं। ऐसा लगता है मानो सरकारों के पास नौकरियां ही नहीं हैं! सरकारें लटका, भटका रही हैं। मामले अदालतों में चक्कर काट रहे हैं। अब तो सरकारी नौकरी भी सुरक्षित नहीं रह गई है।

बारिश में भीगती स्कूली छात्राओं ने मुख्य सड़क अवरुद्ध कर दी, क्योंकि वे स्कूल की नकारा, उपेक्षित व्यवस्थाओं से तंग आ चुकी थीं। न अध्यापक, न सुरक्षित क्लास रूम, न स्वच्छ शौचालय और न ही पोषक दोपहर का भोजन..! इस विरोध-प्रदर्शन ने सरकार और प्रशासन को हिला दिया, संबद्ध अधिकारी एकदम दौड़े चले आए और छात्राओं को आश्वस्त किया। विरोध समाप्त कर दिया गया। दूसरा उदाहरण बाबा अंबेडकर की जन्मस्थली महू (मप्र) के पास का है। झार जिले के निसरपुर में 'माता शबरी आवासीय कन्या छात्रावास' में 60 छात्राओं की व्यवस्था थी, लेकिन वहां करीब 150 छात्राओं को 'भेड़-बकरियों' की तरह ठूंस कर रहने को विवश किया गया था। बीते रविवार की देर रात में 9वीं-11वीं कक्षा की 40 छात्राएं खिड़कियों से बाहर कूदीं, नंगे पांव चलती रहीं और पुलिस स्टेशन तक पहुंच गईं। रात के अंधेरे में ही एसडीओ (पुलिस) और तहसीलदार दौड़े चले आए और छात्राओं की शिकायतें सुनीं। छात्रावास की वार्डन और कार्यवाहक प्रिंसिपल को तुरंत प्रभाव से निलंबित किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है

नितिन नवीन की नई टीमः नई ऊर्जा और नया संतुलन

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा के साथ यह संकेत दे दिया है कि भाजपा अब संगठन को केवल पदों के पुनर्विन्यास के रूप में नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप नए सिरे से गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है-अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है। राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, बैजयंत पांडा, तीरथ सिंह रावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर यह स्पष्ट किया गया है कि नितिन नवीन ने वरिष्ठता और अनुभव को किनारे नहीं किया है। यह उस संगठनात्मक सोच का प्रमाण है जिसमें पुराने अनुभव को नई परिस्थितियों के अनुरूप इस्तेमाल करने की कोशिश दिखाई देती है। दूसरी ओर स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देना भी केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं है। स्मृति ईरानी का राजनीतिक व्यक्तित्व आक्रामक संवाद, महिला मतदाताओं से जुड़ाव और राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी राजनीतिक संप्रेषण से जुड़ा रहा है। उनकी वापसी भाजपा के लिए राजनीतिक संदेश और संगठनात्मक उपयोगिता-दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। उनके साथ विनोद तावड़े, सुनील बंसल जैसे संगठनात्मक अनुभव रखने वाले नेताओं को महासचिव की जिम्मेदारी मिलना संगठन और चुनावी प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल की ओर संकेत करता है। पीयूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया जाना भी उल्लेखनीय है। यह जिम्मेदारी बताती है कि संगठन में राजनीतिक अनुभव के साथ प्रशासनिक, आर्थिक और पेशेवर दक्षता को भी महत्व दिया जा रहा है। बी. एल. संतोष का राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बने रहना संगठन की निरंतरता को सुनिश्चित करता है। अर्थात नितिन नवीन ने पूरी तरह से 'पुराना हटाओ, नया लाओ' की नीति नहीं अपनाई, बल्कि जहां निरंतरता आवश्यक थी वहां उसे बनाए रखते हुए परिवर्तन के लिए पर्याप्त जगह बनाई है। नई टीम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व है। भाजपा के

17 अगस्त 2026 को घोषित नई टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 8 राष्ट्रीय महासचिव और 16 राष्ट्रीय सचिवों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों पर व्यापक परिवर्तन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नई टीम को संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी जुड़ाव का मिश्रण बताया है। इस टीम को समझने के लिए इसे केवल 'कौन आया और कौन गया' के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके पीछे भाजपा की दीर्घकालीन संगठनात्मक रणनीति, सामाजिक समीकरणों की समझ और आने वाले चुनावों की राजनीतिक चुनौतियों को पढ़ना अधिक महत्वपूर्ण है। नितिन नवीन की टीम का सबसे बड़ा संदेश है–अनुभव को हटाकर युवा ऊर्जा नहीं लाई गई है, बल्कि अनुभव के साथ नई ऊर्जा को जोड़ा गया है। यही संतुलन किसी बड़े राजनीतिक संगठन को गतिशील बनाता है। राम माधव की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में वापसी इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। संगठन, वैचारिक संवाद और रणनीतिक राजनीति की उनकी समझ भाजपा के लिए उपयोगी हो सकती है।

लिए अब राजनीति केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, समाज के अलग-अलग वर्गों में संगठन की स्वीकार्यता और पहुंच बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। नई टीम में महिलाओं, विभिन्न सामाजिक समुदायों, उत्तर भारत से लेकर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत तक के प्रतिनिधित्व को स्थान दिया गया है। रिपोर्टों के अनुसार टीम में महिलाओं और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रतिनिधियों को भी उल्लेखनीय जगह मिली है। यहां एक और महत्वपूर्ण संकेत दिखाई देता है-भाजपा अब केवल अपने परंपरागत समर्थक वर्ग से संवाद करने के बजाय नए मतदाता समूहों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। युवा, प्रथम बार मतदान करने वाली पीढ़ी, शहरी पेशेवर, तकनीक से जुड़े वर्ग और महिलाओं की राजनीतिक आकांक्षाएं आज चुनावी परिणामों को प्रभावित करती हैं। इसलिए संगठन में ऐसे चेहरों की आवश्यकता है जो केवल राजनीतिक भाषण न दें, बल्कि बदलते समाज की भाषा समझें। भाजपा की नई टीम में इस दिशा का प्रयास स्पष्ट दिखाई देता है। विशेष रूप से युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के स्तर पर किए गए बदलाव इस बात का संकेत हैं कि संगठन भविष्य के मतदाता को आज से ही संबोधित करना चाहता है। जेन-जी को केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी मानना भूल होगी। यह पीढ़ी रोजगार, तकनीक, उद्यमिता, पारदर्शिता, राष्ट्रवाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अवसरों को लेकर अलग तरह की अपेक्षाएं रखती है। भाजपा यदि इस पीढ़ी से वास्तविक संवाद स्थापित कर पाती है तो उसका लाभ केवल आगामी चुनाव में नहीं, बल्कि 2030 और 2040 के दशक की राजनीति में भी मिल सकता है। नई टीम का सबसे बड़ा राजनीतिक परीक्षण हालांकि उत्तर प्रदेश और अन्य चुनावी राज्यों में होगा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में संगठन की मजबूती का सीधा असर राष्ट्रीय राजनीति पर पड़ता है। आगामी चुनावों की दृष्टि से भाजपा के सामने केवल सत्ता विरोधी भावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती नहीं है, बल्कि विपक्ष के बदलते गठजोड़, जातीय समीकरण, युवाओं की आकांक्षाओं और स्थानीय मुद्दों को भी साधना है। इसलिए राष्ट्रीय टीम में उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना चुनावी दृष्टि से स्वाभाविक रणनीति है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नई टीम का उद्देश्य केवल 2026-27 के चुनाव नहीं हो सकते। भाजपा की दृष्टि निश्चित रूप से 2029 के लोकसभा चुनाव और उससे आगे तक जाती है। 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य तभी राजनीतिक और सामाजिक आधार प्राप्त कर सकता है जब पार्टी संगठन निरंतर नई पीढ़ी को अपने साथ जोड़ता रहे। इसलिए नितिन नवीन की टीम को एक प्रकार से 2029 की तैयारी और 2047 की राजनीतिक-संगठनात्मक नींव के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के स्तर पर भी आने वाले समय में परिवर्तन या विस्तार की अटकलें स्वाभाविक हैं, विशेषकर जब सरकार को आगामी राज्यों के राजनीतिक समीकरणों और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को साथ लेकर चलना है। लेकिन मंत्रिमंडल विस्तार के संबंध में अभी किसी विशेष व्यक्ति की नियुक्ति को निश्चित मानना उचित नहीं होगा। अनुराग ठाकुर जैसे अनुभवी नेताओं के संभावित भविष्य की चर्चा राजनीतिक हलकों में हो सकती है, पर अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व पर निर्भर करेगा। नरेन्द्र मोदी की राजनीति में संगठन और सरकार के बीच नई जिम्मेदारियों के माध्यम से ऊर्जा पैदा करने की परंपरा रही है, इसलिए भविष्य में कोई महत्वपूर्ण बदलाव हो तो उसे आश्चर्य के बजाय व्यापक रणनीति का हिस्सा माना जाना चाहिए। वास्तव में नितिन नवीन की नई टीम का सबसे बड़ा संदेश 'रीसेट' नहीं, 'रीकैलिब्रेशन' है-अर्थात संगठन को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण के अनुरूप उसकी दिशा और गति को पुनर्संतुलित करना। वरिष्ठ नेताओं का अनुभव, युवाओं की ऊर्जा, महिलाओं की बढ़ती भूमिका, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सामाजिक विविधता और पेशेवर दक्षता-इन सभी को एक मंच पर लाने का प्रयास दिखाई देता है। नई टीम में 65 पदाधिकारियों में बड़ी संख्या में नए चेहरों को जिम्मेदारी मिलने की बात भी सामने आई है, जो संगठन में पीढ़ीगत बदलाव की गति को दर्शाती है। अब असली चुनौती पद प्राप्त करने वालों की नहीं, परिणाम देने वालों की होगी। संगठन कितना जमीनी बनेगा, कार्यकर्ताओं और नेतृत्व के बीच संवाद कितना मजबूत होगा, सोशल मीडिया के शोर के बाहर जनता की वास्तविक समस्याओं को कितना समझा जाएगा और युवाओं-महिलाओं सहित नए सामाजिक वर्गों का विश्वास कितना अर्जित किया जाएगा-इन्हीं कसौटियों पर नितिन नवीन की नई टीम का मूल्यांकन होगा। कुल मिलाकर यह टीम भाजपा की उस राजनीति की तस्वीर प्रस्तुत करती है जिसमें अनुभव को विरासत, युवा ऊर्जा को भविष्य और सामाजिक विविधता को विस्तार का माध्यम बनाया गया है। यदि नितिन नवीन इस टीम की क्षमताओं को एक साझा संगठनात्मक लक्ष्य में बदल पाए, तो यह परिवर्तन केवल भाजपा के पदाधिकारियों की सूची में बदलाव नहीं रहेगा, बल्कि पार्टी की कार्यशैली, जनसंपर्क और चुनावी रणनीति में दिखाई देने वाला परिवर्तन बन सकता है।

देश दुनीया से

शिक्षा का अधिकार बने राष्ट्रीय संकल्प

भारत की शिक्षा व्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में से एक है। देश में करीब 14.7 लाख स्कूलों और उच्च शिक्षा का विशाल नेटवर्क है, जिसमें 1200 से अधिक विश्वविद्यालय और करीब 53600 महाविद्यालय शामिल हैं। इनमें लगभग 546 निजी, 513 राज्य, 56-57 केंद्रीय और 150 डीम्ड विश्वविद्यालय हैं, जो देश की व्यापक उच्च शिक्षा व्यवस्था को दर्शाते हैं। वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 ने शिक्षा को अधिक समावेशी, रोजगारपरक, कौशल आधारित और आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलावों की शुरुआत की है। 2024-25 के यूडीआईएसई आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक स्तर पर करीब 6.18 करोड़ विद्यार्थियों के नामांकन के मुकाबले माध्यमिक स्तर पर यह संख्या घटकर लगभग 2.36 करोड़ और उच्च माध्यमिक स्तर पर करीब 1.64 करोड़ रह गई है। संसद की प्राक्कलन समिति ने 12 अगस्त 2026 को लोकसभा में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा है कि प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते लगभग 73 प्रतिशत छात्र पढ़ाई छोड़ देते हैं, जिससे उच्च कक्षाओं में नामांकन में भारी गिरावट आई है। समिति ने इसके पीछे विद्यालयों की कमी, स्कूलों की दूरी, आर्थिक कठिनाइयां, पारिवारिक परिस्थितियां और शिक्षा की बढ़ती लागत जैसे अनेक कारण गिनाए हैं। आंकड़े बताते हैं कि सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या जहां लगभग 9.11 लाख है, वहीं उच्च प्राथमिक विद्यालय करीब 4.12 लाख, माध्यमिक विद्यालय लगभग 1.61 लाख और उच्च माध्यमिक विद्यालय केवल 90866 हैं। फिर भी यदि बच्चा स्कूल तक पहुंच ही नहीं पा रहा है तो आधुनिक पाठ्यक्रम और नई परीक्षा प्रणाली का लाभ उसे कैसे मिलेगा? शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय भी इस बहस का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एनईपी 2020 में शिक्षा पर सार्वजनिक खर्च को सकल घरेलू उत्पाद के छह प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि संयुक्त केंद्र-राज्य व्यय अभी करीब 4.1 प्रतिशत

के आसपास है। संसदीय समिति ने शिक्षा बजट में हर वर्ष कम से कम 10 प्रतिशत की आधारभूत वृद्धि के साथ एक समयबद्ध वित्तीय रोडमैप बनाने की सिफारिश की है। केंद्रीय बजट 2026-27 में शिक्षा मंत्रालय को लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 8.27 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि स्वागतयोग्य है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक उपलब्धता, प्रशिक्षण, पाठ्य पुस्तकों की समय पर आपूर्ति और आधारभूत सुविधाओं पर भी समान ध्यान देना होगा। देश के करीब 14.71 लाख स्कूलों में दिव्यांग विद्यार्थियों के अनुकूल शौचालय और रैंप जैसी सुविधाएं अभी भी सीमित हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार केवल करीब 5.23 लाख स्कूलों में दिव्यांग-अनुकूल शौचालय और लगभग 8.08 लाख स्कूलों में रेलिंग वाले रैंप हैं। इसका अर्थ है कि बड़ी संख्या में विद्यालयों में विशेष जरूरत वाले बच्चों के लिए आवश्यक सुविधाएं अभी अधूरी हैं। दूसरी ओर, शिक्षा को रोजगार से जोडना भी समय की आवश्यकता है। केवल डिग्री हासिल करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं में रोजगार योग्यता बढ़ाने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, डिजिटल कौशल, कोडिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और व्यावसायिक शिक्षा को मजबूत करना होगा। एनईपी में कौशल विकास पर जोर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों में प्रशिक्षित शिक्षक, आधुनिक प्रयोगशालाएं तथा उद्योगों से प्रभावी साझेदारी आवश्यक होगी। इस संदर्भ में हिमाचल प्रदेश की स्थिति अपेक्षाकृत उत्साहजनक है। परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स यानी पीजीआई 2.0 के अनुसार प्रदेश ने सरकारी स्कूल शिक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है और समग्र स्तर पर देश में छठा स्थान हासिल किया है। राज्यों की श्रेणी में प्रदेश को तीसरा स्थान मिलना भी सम्मान की बात है। पहली कक्षा से अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई, 156 सरकारी स्कूलों का सीबीएसई से जुडना और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों की पहल राज्य में शिक्षा के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इसलिए यहां केवल नए स्कूल खोलने के बजाय मौजूदा विद्यालयों को पर्याप्त शिक्षक, परिवहन, छात्रावास, डिजिटल सुविधाएं और विज्ञान-तकनीक की बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना अधिक उपयोगी हो सकता है। दरअसल, बारहवीं तक पहुंचते-पहुंचते विद्यार्थियों की संख्या में इतनी बड़ी गिरावट को केवल ड्रॉपआउट का आंकड़ा मानकर आगे बढ़ जाना उचित नहीं होगा। इसके पीछे गरीबी, स्कूल की दूरी, परिवहन, बाल श्रम, पारिवारिक जिम्मेदारियां, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव जैसे अनेक कारण छिपे हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा नीति का केंद्र केवल स्कूलों की संख्या, बजट और परीक्षाओं तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक बच्चे को बारहवीं तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक शिक्षा की निरंतर कड़ी मजबूत किए बिना विकसित भारत का लक्ष्य अधूरा रहेगा। आखिर देश का भविष्य केवल उन बच्चों से नहीं बनेगा जो स्कूल में प्रवेश लेते हैं, बल्कि उनसे बनेगा जो बिना किसी बाधा के बारहवीं तक पहुंचकर अपने सपनों को आकार दे पाते हैं।

कुछ अलग

स्थगित हो जाने का सुख

हमारे दिन बहुत बुरे गुजरे। अब भी उनके भले हो जाने का कोई अंदेशा नहीं। देखते ही देखते जिंदगी से सब कुछ गैर-हाजिर होता चला गया, लेकिन इन पर लेबल चस्पां कर दिए गए कि सब कुछ हाजिर है। जिन अच्छे दिनों का वायदा किया गया था, वे तुम्हारे करीब आ गए। 80 वर्ष बीत गए आजादी के। एक नया भारत बना देने का संकल्प सदा रहा। इसी बात का उत्सव मना लो। लेकिन बंधु, हथेली पर सरसों नहीं उगती। सदियों की गरीबी, पिछड़ापन क्या केवल 80 वर्ष में कट जाता? अब बदलाव की नींव बनाने का संकल्प लक्ष्य में बदल दिया है। अभी नया ढांचा बनाने के लिए कदम उठेंगे, जब अपने आजाद होने की पहली सदी मनाओगे, तब यह ढांचा अवश्य अपना प्रतिदान देने लगेगा। क्या अपनी जिंदगी के कायाकल्प के लिए इतना भी इंतजार नहीं कर सकते? यह भी तो कहा जा रहा है कि तुम्हारा पिछड़ापन इतना गहरा है कि यह अभी रूप परिवर्तन नहीं कर पाएगा। लेकिन अभी हमने कह तो दिया कि बदले भारत की नींव रखने की शुरुआत हो गई, सदी पूरी होते न होते, तुम्हें सब कुछ मिल जाएगा। कभी भी न मिले, क्या इससे यह बेहतर नहीं कि फिलहाल सच स्थगित हो जाने का सुख तुम्हें मिल जाए। इसके बाद अगले दो दशक में जब नया चमचमाता हुआ भारत तुम्हें मिल जाएगा तो इससे बड़ा सुख तुम्हारे लिए और क्या होगा? जवाब में मत सुनाना, हमें अपने ये पुराने शेअर। मत कहो, 'कौन जीता है तेरी जुल्फ के सर होने तक। खाक हो जाएंगे हम तुझको खबर होने तक।' ऐसी निराशावादी बातें करने के बजाय ये देखो कि हमने तुम्हें क्या दे दिया। बदलाव यात्रा की इस शुरुआत में हमने तुम्हें नोटबंदी दे दी थी, अर्थात सौ रुपए से ऊपर सब पुराने नोट वापस लेकर काले धन पर कुठाराघात किया था।

आप का नजरीया

उफ! यह पर्यटन

भीड़ पर्यटन या पर्यटन की भीड़ में हिमाचल की व्यवस्था कहां है। इन दिनों बैसाखियों पर पर्यटन की हिफाजत में अगर ट्रैफिक जाम के बीच स्थानीय जीवन फंस रहा है, तो हमें तय करना होगा कि इस रफ्तार में हासिल क्या है। सुरंग से कांगड़ा तक का सफर तीन घंटे का हो जाए, तो इस उफ में हजारों कांटे हैं। कुछ इसी तरह का सफर शिमला गंतव्य को विचलित कर रहा है। पर्यटन कोई मजदूरी या मजबूरी नहीं कि हम घास काटते मिलें। हिमाचल के पर्यटन गंतव्य को भीड़, अगंभीर और शरारती पर्यटक से बचाने की जरूरत है। हमने तब भी सरकार की उस घोषणा को अस्वीकार करते हुए लिखा था कि हिमाचल में पांच करोड़ पर्यटकों की अभिलाषा करना सही नहीं है और अब फिर दोहराएंगे कि सैलानियों की गेड़ी में पर्यटन नहीं है, बल्कि हिमाचल में दिन-रात को जीना पर्यटन है। विडंबना यह है कि बरसाती मौसम के धार्मिक पर्व, मेले और अनुष्ठान सिर्फ सडकों पर भीड़ खड़ी करने का सबब बन जाते हैं। असंख्य दोपहिया वाहन और पुराने वाहनों के ट्रायल जिस तरह हिमाचल का रुख अख्तियार करते हैं, मुसीबत के पहाड़े सडकों पर ट्रैफिक जाम दिखते हैं। बेशक सडकों का सशक्तिकरण हो रहा है, लेकिन बरसात में फोरलेन की चौड़ाई भी ल्हासों के कारण टू लेन हो जाती है। बरसाती ट्रैफिक जाम सामान्य नहीं, बल्कि रोड कंडीशन, बरसाती आपदा और अनियंत्रित पर्यटन के कारण होती है। विडंबना यह है कि हमने पर्यटन का न तो शिष्टाचार विकसित किया और न ही इसके मूड की आचार संहिता बनाई। ट्रैफिक को न तो वाहनों के कुशल संचालन में समझा और न ही परिवहन की सार्वजनिक जिम्मेदारी को अलंकृत किया। खास तौर पर पर्यटन गंतव्य को इस भीड़ की मारामारी का शिकार होना पड़ता है। इसके लिए वार्डर पर्यटन तथा धार्मिक पर्यटन का विस्तार अहम है। प्रदेश यह समझने में असफल है कि कुल पर्यटकों का अस्सी फीसदी भाग केवल धार्मिक ढंग से यात्रा करना चाहता है। यानी दोपहिया वाहनों पर झंडे, स्पीकर और बिना हेल्मेट के चलने की निरंकुश प्रथा अबाधित रहे। हमारी पुलिस भी इस सबके बीच मूकदर्शक है, जबकि ऐसे सैलानियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी राज्य की है। सुरक्षित पर्यटन की अवधारणा में हर गंतव्य की अलग से योजनाएं बननी चाहिएं। कुल्लू-मनाली अगर सबसे व्यस्त गंतव्य है, तो वहां तक परिवहन के हर माध्यम को एक सलीका सिखाना होगा। यही सब शिमला से मकलोडगंज की दुश्वारियों में समझना होगा, जबकि धार्मिक स्थलों में पर्यटन अनुशासन के लिए व्यवस्था बदलनी पड़ेगी। हिमाचल में काशी की तरह हर धार्मिक स्थल की अधोसंरचना में भीड़ नियंत्रण की अहर्ताएं पूरी करनी होंगी। इसके अलावा प्रमुख डेस्टिनेशन में ग्रीन टैक्स लागू करने की पद्धति विकसित करनी चाहिए ताकि गंतव्य स्थलों पर ढांचागत सुविधाएं बेहतर हो सकें और यह स्थल गंभीर या हाई एंड टूरिस्ट के योग्य हों। बरसाती पर्यटन की तहजीब बदलने के लिए पुलिस चौकसी विभिन्न प्रवेश द्वारों से शुरू होनी चाहिए। पर्यटन पंजीकरण की पद्धति विकसित करते हुए ऐप के जरिए रोड मैप तैयार किया जा सकता है। अधिक ट्रैफिक या भीड़ वाले क्षेत्रों से हटकर विकल्प ऐप के जरिए पर्यटक को देंगे तो वह अपने गंतव्य में परिवर्तन कर पाएगा। समस्त पर्यटक स्थलों को क्षमता के अनुरूप ही सैलानियों के विजिट मंजूर करने होंगे। प्रदेश को चाहिए कि पर्यटक भीड़ देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए पुलिस बंदोबस्त में विशेष सुधार लाए और इसके लिए स्थायी हल 'पर्यटन पुलिस' का गठन है।

सुरंग से कांगड़ा तक का सफर तीन घंटे का हो जाए, तो इस उफ में हजारों कांटे हैं। कुछ इसी तरह का सफर शिमला गंतव्य को विचलित कर रहा है। पर्यटन कोई मजदूरी या मजबूरी नहीं कि हम घास काटते मिलें। हिमाचल के पर्यटन गंतव्य को भीड़, अगंभीर और शरारती पर्यटक से बचाने की जरूरत है। हमने तब भी सरकार की उस घोषणा को अस्वीकार करते हुए लिखा था कि हिमाचल में पांच करोड़ पर्यटकों की अभिलाषा करना सही नहीं है और अब फिर दोहराएंगे कि सैलानियों की गेड़ी में पर्यटन नहीं है, बल्कि हिमाचल में दिन–रात को जीना पर्यटन है। विडंबना यह है कि बरसाती मौसम के धार्मिक पर्व, मेले और अनुष्ठान सिर्फ सडकों पर भीड़ खड़ी करने का सबब बन जाते हैं। असंख्य दोपहिया वाहन और पुराने वाहनों के ट्रायल जिस तरह हिमाचल का रुख अख्तियार करते हैं, मुसीबत के पहाड़े सडकों पर ट्रैफिक जाम दिखते हैं। बेशक सडकों का सशक्तिकरण हो रहा है, लेकिन बरसात में फोरलेन की चौड़ाई भी ल्हासों के कारण टू लेन हो जाती है। बरसाती ट्रैफिक जाम सामान्य नहीं, बल्कि रोड कंडीशन, बरसाती आपदा और अनियंत्रित पर्यटन के कारण होती है। विडंबना यह है कि हमने पर्यटन का न तो शिष्टाचार विकसित किया और न ही इसके मूड की आचार संहिता बनाई।

दृष्टि कोण

एनालॉग पनीर को लेकर उपभोक्ताओं में असमंजस

देश में एक अजीब विरोधाभास खुलकर सामने आया है। केंद्र सरकार की खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने एनालॉग पनीर को कभी गैरकानूनी नहीं ठहराया, बल्कि उसे बनाने और बेचने की छूट दी, बस इतनी शर्त रखी कि पैकेट पर साफ-साफ लिखा हो कि यह असली दूध से नहीं बना है। इसके बावजूद महाराष्ट्र, गुजरात के बाद अब मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ ने इस पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी है, जबकि दूसरे सबसे बड़े दूध उत्पादक राज्य राजस्थान में इसके निर्माण और बिक्री पर आज भी कोई रोक नहीं है। यही उलझन अब उपभोक्ताओं से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक की चिंता का विषय बन गई है। एनालॉग पनीर देखने, स्वाद और बनावट में बिल्कुल असली दूध के पनीर जैसा लगता है, लेकिन इसे बनाने में दूध की चर्बी या दूध के प्रोटीन की जगह वनस्पति तेल, स्टार्च, सोया या मटर के प्रोटीन और चिपकाने वाले पदार्थ इस्तेमाल किए जाते हैं। कहीं-कहीं तो सोडा और वनस्पति घी से नकली दूध और फ्रेंच चॉक यानी सेलखड़ी से नकली मावा तक तैयार किया जा रहा है। इसकी लागत असली पनीर से कहीं कम आती है, इसलिए होटल, ढाबों, रेस्तरां और खानपान के बड़े कारोबार में इसका खुलकर इस्तेमाल हो रहा है। समस्या तब पैदा होती है जब इसे उसी कीमत पर, बिना किसी सूचना के, असली दूध के पनीर के नाम पर बेचा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से चेतावनी देते आए हैं कि इस तरह के उत्पादों में मिलने वाली औद्योगिक चर्बी हृदय रोग का खतरा बढ़ाती है और इससे शरीर को कोई पोषण संबंधी लाभ नहीं मिलता। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी मानता है कि इस तरह की औद्योगिक चर्बी का कोई ज्ञात स्वास्थ्य लाभ नहीं है। इसके नियमित सेवन से पेट में संक्रमण, अम्लता, यकृत पर बुरा असर और खराब वसा का स्तर बढ़ने जैसी शिकायतें सामने आ रही हैं। साथ ही इसमें असली दूध के मुकाबले प्रोटीन और कैल्शियम कम, जबकि सोडियम और शोधित स्टार्च की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे उपभोक्ता कीमत तो दूध के पनीर जितनी चुकाता है, लेकिन पोषण उतना नहीं पाता। केंद्र

सरकार का रुख शुरू से ही सतर्क रहा है। उसने इसे पूरी तरह हानिकारक मानने से इनकार किया है, इसलिए राष्ट्रीय स्तर पर इसके उत्पादन पर कभी रोक नहीं लगाई गई। महाराष्ट्र की पहल के बाद केंद्रीय प्राधिकरण ने एक परिपत्र जरूर जारी किया, जिसमें होटलों को अपने भोजन-सूची में यह बताना अनिवार्य किया गया कि इस्तेमाल हो रहा पनीर असली है या एनालॉग। लेकिन व्यवहार में यह नियम बाजार में बहुत कम ही लागू होता दिखा, क्योंकि खुले बाजार में बिना किसी सूचना के यह उत्पाद खपता रहा। यही वजह रही कि कई राज्य सरकारों ने केंद्र के नरम रुख से आगे बढ़कर सख्त कदम उठाए। छत्तीसगढ़ में तीस जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री ने एनालॉग पनीर के इस्तेमाल और बिक्री पर सीधी रोक की घोषणा की। मध्य प्रदेश सरकार ने भी कहा कि सेहत से कोई समझौता नहीं होने दिया जाएगा और राज्य में इसके निर्माण-बिक्री पर पाबंदी लगाई जाएगी, साथ ही प्राकृतिक दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे पहले गुजरात और महाराष्ट्र भी एनालॉग पनीर, चीज और मक्खन के खिलाफ कार्रवाई कर चुके हैं। इन राज्यों का कहना है कि जब तक निर्माण पर ही रोक नहीं लगेगी, तब तक अकेले सूचना अंकन का नियम बेईमान कारोबारियों को धोखाधड़ी से नहीं रोक पाएगा। इसके उलट राजस्थान में तस्वीर बिल्कुल अलग है। देश के कुल दूध उत्पादन में लगभग पंद्रह प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ यह दूसरा सबसे बड़ा दूध उत्पादक राज्य है, फिर भी यहां पनीर, मावा, घी जैसे एनालॉग उत्पादों के निर्माण-बिक्री पर अलग से कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है।

केशव प्रसाद मौर्य का कांग्रेस पर हमला, बोले–कांग्रेस को माँ दुर्गा, लक्ष्मी और माँ सरस्वती से परहेज क्यों?

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को कहा कि रस्सी जल गई, पर ऐंठन नहीं गई। गांधी परिवार और उसकी जेबी कांग्रेस का आज भी यही हाल है। वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने के अपने 90 वर्ष पुराने निर्णय पर कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने एक बार फिर मुहर लगा दी है। कट्टरपंथियों के दबाव में राष्ट्रगीत को अधूरा रखने की यही हठधर्मिता कांग्रेस को लगातार जनभावनाओं से दूर करती जा रही है। केशव प्रसाद मौर्य ने गुरूवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस को साफ करना चाहिए कि उसे मां दुर्गा, मां लक्ष्मी और मां सरस्वती के उल्लेख से परहेज क्यों है? वह किसे खुश करने के लिए राष्ट्रगीत के चार छंदों को छोड़ने पर अड़ी है? उसकी यह जिद एक्सीडेंटल हिंदू वाली मानसिकता और छद्म धर्मनिरपेक्षता का असली चेहरा उजागर करती है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी परिवार के इशारों पर चलने वाली कांग्रेस का यह निर्णय किसी वैचारिक सिद्धांत से नहीं, बल्कि वोटबैंक और तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित है। धर्म के आधार पर की गई राजनीति की भयावह कीमत देश विभाजन के रूप में चुका चुका है, लेकिन कांग्रेस आज भी राष्ट्रीय एकता के प्रतीक को धार्मिक वोटों के तराजू पर तौल रही है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस को समझ लेना चाहिए कि देश अब तुष्टिकरण और वोटबैंक की संकीर्ण राजनीति से बहुत आगे बढ़ चुका है। पूरे देश में वंदे मातरम अधूरा नहीं, अपने सभी छह छंदों के साथ गूंजेगा और इसकी प्रचंड ध्वनि गांधी परिवार की चौखट से लेकर कांग्रेस मुख्यालय तक सुनाई देगी।

बसपा प्रमुख मायावती ने यूपी के सरकारी स्कूलों की बदहाली पर जताई चिंता, कहा– सरकार उठाए ठोस कदम

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती देश भर में चल रहे 'स्कूल ठीक करो' अभियान के समर्थन में उतरी है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा को लेकर चिंता जताते हुए उत्तर प्रदेश समेत सभी राज्यों की सरकारों नसीहत देते हुए शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की अपील की है। बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया के प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि, जेन-अल्फा अर्थात सन 2013 के बाद जन्मे बच्चे बेहतर शिक्षा के लिए तरस रहे हैं। सरकार से अपने 'अच्छे दिन' की उम्मीद लगाए हैं। इन छात्र–छात्राओं के अलावा उनके माता–पिता भी अपने बच्चों के सुखी भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा को लेकर हमेशा चिन्तित रहते हैं। बच्चों को बेहतर शिक्षा मुहैया कराने के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता ताकि जो वो मुसीबत उठा रहे है उनके बच्चे न उठाएं। लेकिन देश भर में, विशेषकर यूपी एवं उत्तर भारत के राज्यों के स्कूलों के बदतर हालत की कड़वी जमीनी हकीकत के कारण वे लोग अति-मुखर हो गये हैं। इसी वजह से वे लोग जेन-जी अर्थात कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के देशव्यापी 'स्कूल ठीक करो' अभियान में काफी बढ़चढ़ कर पूरे उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। मायावती ने कहाकि यह बड़े दुख और चिन्ता की बात है कि जिन मासूम बच्चे-बच्चियों के हंसने-खेलने व पढ़ने-लिखने के दिन हैं, उन्हें अपनी प्रारम्भिक स्कूली शिक्षा के लिए बुनियादी सुविधाओं के लिये भी सड़कों पर संघर्ष करने को मजबूर होना पड़ रहा है। बसपा प्रमुख ने कहा कि वैसे परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के 'शिक्षित बनो' आह्वान के कारण शिक्षा में भी खासकर स्कूली शिक्षा 'बहुजन समाज' के लोगों के लिये हमेशा विशेष चिन्ता की बात रही है। इसी के तहत हमारी पार्टी बसपा ने इन दबे-कुचले व शोषित-पीड़ित समाज के लोगों की, जिनकी केन्द्र व राज्य में रही सरकारें लगातार उपेक्षा करती रहीं हैं, उनके हित व कल्याण एवं शिक्षा आदि के लिये यूपी में मेरे नेतृत्व में रहीं बसपा की सभी चारों सरकारों में पूरा-पूरा ध्यान दिया गया, ताकि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा निर्मित मानवतावादी एवं कल्याणकारी भारतीय संविधान के हिसाब से उन सभी परिवार वालों को रोटी-रोजी व शिक्षा-युक्त आत्म-सम्मान का समतामूलक जीवन नसीब हो सके। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि किन्तु यह बड़े दुख व चिन्ता की बात है कि सरकारी स्कूल की व्यवस्था को बेहतर बनाने की तरफ समुचित ध्यान देने के बजाय सभी सरकारों ने ज्यादातर इसकी घोर अनदेखी ही की है। इस पूरी शिक्षा व्यवस्था को एक प्रकार से, इन वर्गों के आरक्षण की तरह ही, काफी हद तक निष्क्रिय बनाने का कुचक्र चलाया हुआ है। इस प्रक्रिया में हजारों सरकारी स्कूल बंद भी किये जा रहे हैं, जिसका भी विरोध बसपा ने लगातार किया है। मायावती ने कहा कि अब स्कूलों के भवन, शिक्षक, पेयजल, शौचालय व साफ-सफाई आदि जैसी बुनियादी जरूरतों की अत्यन्त कमी को लेकर नन्हें जेन-अल्फा स्वंय अति-मुखर होने के साथ-साथ अब आन्दोलित भी हैं। उन्होंने यूपी सहित अन्य राज्यों की सभी सरकारों से जेन-अल्फा के मासूम बच्चे-बच्चियों की बेहतर शिक्षा व्यवस्था संबंधी उनकी जरूरतों, माँगों पर पूरी सहानुभूति के साथ सही नीयत व नीति से तत्काल ध्यान देना प्रारंभ करें। उनके विरुद्ध कोई भी सरकार बल का प्रयोग करने से पूरी तरह से बचें तो यह उचित होगा।

राजीव गांधी ने देश को 21वीं सदी में ले जाने का सपना देखा था : राजेश्वर पटेल

वाराणसी, (हि.स.)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती गुरूवार को वाराणसी में कांग्रेस के कार्यकताओं ने सद्भावना दिवस के रूप में मनाई। वाराणसी महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे के नेतृत्व में मैदागिन चौराहे पर जुटे कार्यकताओं ने यहां स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान को यादकर पार्टी के नेताओं ने कहा कि राजीव गांधी का जीवन, उनके विचार और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को देश भूल नहीं पाएगा। वक्ताओं ने कहा कि राजीव गांधी ने देश को 21वीं सदी में ले जाने का सपना देखा और विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, संचार तथा पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। राजीव गांधी ने युवाओं को देश की शक्ति मानते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया था। जिला अध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल ने कहा कि राजीव गांधी का मानना था कि भारत की एकता और अखंडता की सबसे बड़ी ताकत आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता और सद्भाव है। राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण के दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने कहा कि आज देश में सूचना एवं संचार क्रांति, कंप्यूटर और आधुनिक तकनीक के जिस व्यापक प्रभाव को हम देखते हैं, उसकी मजबूत नींव राजीव गांधी के कार्यकाल में रखी गई थी। उन्होंने युवाओं को लोकतंत्र और राष्ट्र निर्माण में अधिक से अधिक भागीदारी का अवसर देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए महानगर कांग्रेस कमेटी, वाराणसी के अध्यक्ष राघवेन्द्र चौबे ने कहा कि राजीव गांधी का पूरा जीवन भारत को आधुनिक, आत्मनिर्भर और मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी जी ने युवाओं को नई ऊर्जा और नई दिशा देने के साथ ही देश में तकनीकी एवं वैज्ञानिक विकास को बढ़ावा दिया। पंचायती राज संस्थाओं को मजबूती देने तथा लोकतंत्र को गांवों तक पहुंचाने की दिशा में उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। प्रत्येक वर्ष राजीव गांधी की जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाने का संदेश आज के समय में और भी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने राजीव गांधी के बताए मार्ग पर चलने, देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा करने तथा समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में फसाहत हुसैन बाबू, सतनाम सिंह,गुलशन अली, सैय्यद हसन अंसारी, संतोष चौरसिया, प्रमोद वर्मा,नरसिंह दास, अरविन्द कुमार, रामकेश यादव, विजय देवल, अनिल चौधरी, शशी सोनकर आदि शामिल रहे।

महिला की फोटो से एआई के जरिए आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

औरैया, (हि. स.)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अयाना थाना क्षेत्र की एक महिला ने गांव के ही युवक पर उसकी फोटो का दुरुपयोग कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के माध्यम से आपत्तिजनक फोटो और वीडियो तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह विवाहिता है और शांतिपूर्वक अपना जीवन व्यतीत कर रही है। आरोप है कि गांव का ही धीरेंद्र उर्फ बाजपेयी उसकी फोटो लेकर इंस्टाग्राम के माध्यम से उसे बहला-फुसलाकर परेशान कर रहा था। इसके बाद आरोपी ने उसकी फोटो का इस्तेमाल करते हुए अकको मदद से आपत्तिजनक फोटो और वीडियो तैयार कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। महिला का आरोप है कि फोटो और वीडियो वायरल होने से उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है और वह मानसिक रूप से परेशान है। उसने पुलिस से सोशल मीडिया से आपत्तिजनक सामग्री हटवाने के साथ ही आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस सोशल मीडिया पर वायरल सामग्री और पूरे मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। साथ ही आरोपी द्वारा फोटो और वीडियो तैयार कर वायरल किए जाने के संबंध में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अयाना थाना प्रभारी जयप्रकाश पाल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार आरोपी पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

अयोध्या में 30 सितंबर तक राम मंदिर परिसर के अधिकांश निर्माण कार्य पूरे होने की उम्मीद : नृपेंद्र मिश्र

अयोध्या, (हि.स.)। श्रीराम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा बुधवार को अयोध्या पहुंचे । वह तीन दिनों तक अयोध्या में रहकर श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की समीक्षा करेंगे। बुधवार शाम निर्माण समिति की बैठक की। उसके बाद गुरुवार सुबह सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में नृपेंद्र मिश्रा ने राम मंदिर परिसर में चल रहे निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने अगले महीने 30 सितंबर तक राम मंदिर परिसर के अधिकांश निर्माण कार्य पूरे होने की उम्मीद जताई। मिश्र ने कहा कि 30 अक्टूबर तक एल एंड टी और टाटा के कर्मचारी निर्माण कार्य से हट जाएंगे। इसके बाद मुख्य रूप से ऑडिटोरियम और संग्रहालय का कार्य जारी रहेगा। संग्रहालय में कुल 20 गैलरियां बनाई जा रही हैं, जहां आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा। गैलरी नंबर-7 में इमर्सिव टेक्नोलॉजी के जरिए मंदिर परिसर के दिव्य दर्शन कराने की तैयारी है। गैलरी नंबर-17 में भगवान राम के वनगमन और नदियों से जुड़े प्रसंग तकनीक के माध्यम से दिखाए जाएंगे। संग्रहालय के निर्माण में आईआईटी मद्रास के तकनीकि विशेषज्ञ सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर की चहारदीवारी दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। सुरक्षा उपकरण लगाने में दो महीने अतिरिक्त लगेंगे। एल एंड टी, टाटा, सोमपुरा समेत निर्माण एजेंसियों के भुगतान और लंबित कार्यों की समीक्षा की गयी। ताकि साल के अंत तक निर्माण संबंधी कोई काम अधूरा न रहे।

खनिज क्षेत्रों के लोगों के हित में सेस लगाने का अधिकार दे सरकार : सुदेश महतो

रांची, (हि.स.)। ऑल झारखंड स्टूडेंट यूनियन (आजसू) पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड निर्माण का आंदोलन जल, जंगल, जमीन और खनिज जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर में सुधार और समृद्धि लाने के उद्देश्य से किया गया था। इसलिए झारखंड के खनिज संसाधनों से होने वाला पहला लाभ खनिज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मिलना चाहिए। सुदेश महतो ने गुरुवार को रांची के हरमू स्थित आजसू के प्रधान कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि मौजूदा एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों से ऐसा प्रतीत होता है कि उच्चतम न्यायालय से राज्य को मिले अधिकार के तहत झारखंड सरकार अब खनिजयुक्त भूमि पर स्वतंत्र रूप से सेस नहीं लगा सकेगी। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि खनिज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए विशेष योजनाएं संचालित करने की शर्त के साथ राज्य सरकार को सेस लगाने की अनुमति दी जाए। आजसू अध्यक्ष ने कहा कि सेस लगाने की अनुमति के साथ यह भी स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए कि इससे प्राप्त राशि का उपयोग केवल खनिज क्षेत्रों के लोगों के कल्याण और विकास के लिए किया जाए। ऐसा प्रावधान नहीं होने पर राज्य सरकार खनिज क्षेत्रों से अर्जित राजस्व का इस्तेमाल अपने राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कर सकती है। सुदेश महतो ने डीएमएफटी फंड के उपयोग को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी फंड के इस्तेमाल के लिए स्पष्ट शर्तें निर्धारित हैं, लेकिन राज्य सरकार ने कथित तौर पर इनका उल्लंघन किया है। उन्होंने करीब 10 हजार करोड़ रुपये के डीएमएफटी फंड में घोटाले का दावा करते हुए इसकी जांच की मांग की। सुदेश ने कहा कि सरकार का चाल, चरित्र और चेहरा झारखंडियों के हित में नहीं है। अवैध खनन, नौकरियों की बिक्री और शराब घोटाले जैसे आरोप सरकार के कामकाज पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने इन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने की मांग की। सुदेश महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर सेस के मुद्दे को लेकर दोहरे रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झामुमो किसी दूसरे कारण से सेस का विरोध कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो सरकार में पुलिस के संरक्षण में अवैध खनन जारी है और सरकार वैध तरीके से उत्पादित कोयले को महंगा करना चाहती है, जिससे काले बाजार में कोयले की कीमत बढ़े और अवैध कोयला उत्पादन से कमाई का रास्ता तैयार हो। आजसू अध्यक्ष ने दावा किया कि सेस लगाने से पहले कोयला उत्पादन में वार्षिक वृद्धि करीब आठ प्रतिशत थी, लेकिन सेस लगाने के बाद यह घटकर दो प्रतिशत रह गई। उन्होंने इसे सरकारी तंत्र के संरक्षण में अवैध कोयला उत्पादन को बढ़ावा मिलने का संकेत बताया। सुदेश ने कहा कि सेस लगाने के अधिकार को हटाए जाने के कारण ही झामुमो इस मुद्दे पर विरोध कर रहा है। उन्होंने बजट खर्च के आंकड़ों का हवाला देते हुए सरकार के उस दावे को खारिज किया कि सेस नहीं लगाने से राज्य की विकास योजनाओं के लिए धन की कमी हो जाएगी। उन्होंने कहा, कभी धन की कमी नहीं होती, कमी नीयत की होती है। सुदेश ने आरोप लगाया कि जिन विभागों में कमीशनखोरी का बोलबाला है और जहां से राज्य के मुखिया के लिए धन की उगाही की जा रही है, वहां बजट का 90 प्रतिशत से अधिक खर्च हो रहा है।

अव्यवस्थित पार्किंग के खिलाफ आजसू की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

पूर्वी सिंहभूम, (हि.स.)। गोलमुरी क्षेत्र में बिगड़ती यातायात व्यवस्था, बेतरतीब पार्किंग और लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं के विरोध में आजसू पार्टी के प्रवक्ता अप्पू तिवारी ने गुरुवार दोपहर से गोलमुरी चौक पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दिया। उनके समर्थन में समाजसेवी बंटी सिंह सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे। भूख हड़ताल पर बैठे अप्पू तिवारी ने कहा कि गोलमुरी चौक छह प्रमुख मार्गों का संगम है। यहां केबल टाउन-विजयनगर, आकाशदीप प्लाजा, एग्रिको, मंदिर रोड और पेट्रोल पंप की ओर से आने वाले रास्ते मिलते हैं। इसके बावजूद चौक के आसपास वाहनों की अनियमित पार्किंग और कमजोर यातायात व्यवस्था के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनती है। उन्होंने दावा किया कि क्षेत्र में लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और हर महीने करीब सौ वाहन हादसों का शिकार होते हैं। उन्होंने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले पुरुलिया निवासी एक व्यक्ति की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हुई थी, लेकिन अब तक वाहन का पता नहीं चल पाया है। तिवारी के अनुसार, उन्होंने जिला पुलिस, यातायात विभाग, जेएनएसी और टाटा स्टील के अधिकारियों को पहले ही पत्र देकर समस्या से अवगत कराया था। उन्होंने कहा कि जब तक मौके पर पहुंचकर पार्किंग, यातायात और डिवाइडर की समस्या का ठोस समाधान नहीं किया जाता, भूख हड़ताल जारी रहेगी।

जेपीएससी सिविल सेवा और फूड सेफ्टी ऑफिसर नियुक्तियां रद्द करने के आदेश पर हाई कोर्ट की रोक

रांची, (हि.स.)। झारखंड सरकार की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर नियुक्त कर्मियों को हटाने के आदेश को चुनौती देने वाली तीन अलग-अलग याचिकाओं पर गुरुवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति दीपक रौशन की अदालत ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा और फूड सेफ्टी ऑफिसर की नियुक्तियां रद्द करने के सरकार के आदेश पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अदालत ने मामले में राज्य सरकार और झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) से जवाब मांगा है। याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अधिवक्ता अमृतांश वत्स और अधिवक्ता पीएएस पति ने पक्ष रखा। दो अलग-अलग याचिकाओं में दीपमाला एवं अन्य तथा सोनम कुमारी ने सरकार की उस अधिसूचना को चुनौती दी है, जिसमें जेपीएससी की 11वीं से 13वीं सिविल सेवा परीक्षा के विज्ञापन संख्या 1/2024 को रद्द करने का आदेश दिया गया है। वहीं, एक अन्य याचिका में सौरव सिंह एवं अन्य ने जेपीएससी की ओर से आयोजित फूड सेफ्टी ऑफिसर परीक्षा (विज्ञापन संख्या 18/2023) के आधार पर की गई नियुक्तियों को रद्द करने के सरकार के आदेश को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता सोनम कुमारी की ओर से अदालत को बताया गया कि उन्होंने दूसरी जगह की नौकरी छोड़कर जेपीएससी के माध्यम से मिली नियुक्ति पर यहां योगदान किया था। उन्हें 24 नवंबर 2025 को नियुक्ति पत्र मिला था और उन्होंने प्रशिक्षण भी पूरा किया। इसी बीच राज्य सरकार ने 18 अगस्त को अधिसूचना जारी कर नियुक्ति रद्द करने का आदेश दे दिया। याचिकाकर्ता ने अदालत से सरकार के इस आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि सीआईडी जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर रात उन परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी, जिनमें टीडीपीएल शामिल रहा था। इसके साथ ही वर्ष 2014 से आयोजित सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितताओं को देखते हुए जांच कराने की भी घोषणा की गई थी। इन घोषणाओं के बाद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने परीक्षाएं रद्द करने, परीक्षा प्रक्रिया स्थगित करने और विभिन्न परीक्षाओं को जांच के दायरे में रखने से संबंधित अधिसूचना जारी की।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर बिहार ग्रामीण बैंक ने की बैठक, ऋणधारकों से समय पर भुगतान की अपील

सुपौल, (हि.स.)। आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर बिहार ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक, सहरसा अजीत कुमार झा की अध्यक्षता में सुपौल, सहरसा और मधेपुरा जिले के बैंक कर्मियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक ऋण मामलों के निष्पादन और ऋणधारकों को मिलने वाली छूट को लेकर चर्चा की गई। क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत कुमार झा ने शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी पूरी गंभीरता के साथ करें। उन्होंने कहा कि इस बार बैंक की ओर से ऋण मामलों के निपटारे के लिए काफी संख्या में ऋणधारकों को छूट का अवसर दिया जा रहा है। ऋणधारकों के लिए यह अपने बकाये का भुगतान कर मामले का निपटारा कराने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि ऋणधारक समय पर अपने बकाये का भुगतान करें और संबंधित बैंक शाखा से संपर्क कर लोक अदालत में उपलब्ध छूट का लाभ उठाएं। समय पर ऋण का भुगतान नहीं करने की स्थिति में बैंक नियमावली और जिला प्रशासन की प्रक्रिया के तहत संबंधित ऋणधारकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है। इसके तहत नोटिस जारी करने के साथ-साथ वारंट एवं कुर्की की कार्रवाई भी की जा रही है। बिहार ग्रामीण बैंक सुपौल शाखा के शाखा प्रबंधक संजय कुमार मिश्रा ने भी ऋणधारकों से अपील करते हुए कहा कि वे समय पर अपने ऋण का भुगतान करें और किसी भी तरह की जानकारी या समाधान के लिए बैंक शाखा में आकर संपर्क करें। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय पर भुगतान नहीं करने वाले ऋणधारकों के विरुद्ध बैंक एवं जिला प्रशासन की ओर से नियमानुसार वारंट और कुर्की की कार्रवाई की जा सकती है। ऐसी स्थिति में होने वाली कार्रवाई की जिम्मेदारी संबंधित ऋणधारक की होगी। बैंक अधिकारियों ने ऋणधारकों से अपील की कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाते हुए समय रहते अपने ऋण खातों का निपटारा कराएं।

मायागंज अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में तीसरे दिन भी ईसीजी जांच ठप, मरीज बेहाल

भागलपुर,(हि.स.)। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल यानी मायागंज अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर पटरी से उतरती दिख रही है। अस्पताल के फैब्रिकेटेड परिसर में संचालित इमरजेंसी मेडिसिन वार्ड में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन भी ईसीजी जांच सेवा पूरी तरह बाधित रही। इस महत्वपूर्ण जीवन रक्षक जांच के बंद होने से यहां आने वाले गंभीर मरीजों की जान आफत में फंसी हुई है। जानकारी के अनुसार, इमरजेंसी वार्ड की ईसीजी मशीन बीते मंगलवार को अचानक तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गई थी। तीन दिन बीत जाने के बाद भी अस्पताल प्रबंधन द्वारा अब तक नई मशीन की व्यवस्था नहीं की जा सकी है और न ही पुरानी मशीन को ठीक कराया जा सका है। आपातकालीन वार्ड जैसी संवेदनशील जगह पर बैकअप मशीन का न होना प्रबंधन की घोर लापरवाही को उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि मायागंज अस्पताल के इस वार्ड में रोजाना दिल की बीमारी, सीने में दर्द और सांस फूलने जैसी गंभीर समस्याओं से पीड़ित करीब 20 से 25 मरीज आते हैं। डॉक्टरों को इलाज शुरू करने के लिए तुरंत ईसीजी रिपोर्ट की आवश्यकता होती है। सरकारी अस्पताल में सुविधा न मिलने के कारण लाचार तीमारदारों को रात-बिरात अपने मरीजों को लेकर बाहर भागना पड़ रहा है और निजी जांच केंद्रों पर मनमानी कीमत देकर ईसीजी करानी पड़ रही है।

इससे गरीब मरीजों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। इमरजेंसी वार्ड के स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है कि मशीन की खराबी के संबंध में वरीय अधिकारियों और अस्पताल अधीक्षक को लिखित रूप से सूचित कर दिया गया है। वहीं अस्पताल प्रशासन का दावा है कि नई मशीन की उपलब्धता के लिए प्रक्रिया चल रही है और जल्द ही इस तकनीकी समस्या को दूर कर ईसीजी सेवा को सुचारू रूप से बहाल कर दिया जाएगा।

राजीव गांधी की 82वीं जयंती पर कांग्रेस ने मनाया सद्भावना दिवस

सुपौल, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 82वीं जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कार्यालय, सुपौल में श्रद्धांजलि एवं सद्भावना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा देश की एकता, अखंडता, शांति और सद्भावना बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम ने कहा कि राजीव गांधी आधुनिक भारत के निर्माण के दूरदर्शी नेता थे। उन्होंने देश को 21वीं सदी की ओर ले जाने के लिए विज्ञान, तकनीक, कंप्यूटर और दूरसंचार के क्षेत्र में नई दिशा दी। उनके कार्यकाल को भारत में कंप्यूटर युग की शुरूआत और दूरसंचार क्रांति को गति देने के लिए विशेष रूप से याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की सोच आधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं थी। वे चाहते थे कि विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। अनुपम ने कहा कि युवाओं की लोकतांत्रिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करना उनके नेतृत्व का ऐतिहासिक निर्णय था। पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने, सत्ता के विकेंद्रीकरण तथा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने की उनकी सोच ने लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी भारत की विविधता को देश की ताकत मानते थे। उनके जन्मदिवस पर सद्भावना दिवस मनाने का उद्देश्य नफरत और विभाजन से ऊपर उठकर प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करना है। राजीव गांधी के सपनों का भारत तभी बनाया जा सकता है। पूर्व जिलाध्यक्ष राज नारायण गुप्ता ने कहा कि राजीव गांधी की ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने, पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने तथा युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की सोच आज भी प्रासंगिक है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता नरेश मिश्रा ने कहा कि सद्भावना दिवस सामाजिक एकता, प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने तथा विभाजनकारी सोच का मुकाबला करने का संकल्प लेने का अवसर है। वक्ताओं ने राजीव गांधी की विदेश नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने शांति और सहयोग को महत्व दिया। श्रीलंका समझौता उनके कार्यकाल की महत्वपूर्ण पहल थी, जिसके परिणाम जटिल रहे, लेकिन यह क्षेत्रीय शांति के लिए उनके प्रयासों को दशार्ता है। इस अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के संगठक डॉ. संजय यादव एवं प्रभारी अफरोज खान सेवा दल की टीम के साथ जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचे। वे वित्त रहित शिक्षा नीति को लेकर प्रदेशव्यापी यात्रा के क्रम में सुपौल पहुंचे थे। उन्होंने भी राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता प्रेमनाथ झा, ललित कामत, सुरेंद्र पांडे, लक्ष्मण झा, अमित कुमार झा, तनवीर आलम, बदरुद्दीन, शंभू यादव, सुशील सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने आधुनिक, प्रगतिशील, समतामूलक और सद्भावपूर्ण भारत के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली.

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है।

कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

केकेआर ने बुकमाईशो में किया निवेश, भारतीय मनोरंजन क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ान

नई दिल्ली। प्रमुख वैश्विक निवेश फर्म केकेआर ने भारत के सबसे बड़े आनलाइन टिकट प्लेटफार्म बुकमाईशो में अल्पमत हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है। यह कदम भारतीय मनोरंजन उद्योग को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देगा और बुकमाईशो को अपनी अगली विकास यात्रा को तेज करने में मदद करेगा। इस रणनीतिक निवेश का मुख्य उद्देश्य कंपनी के लाइव एंटरटेनमेंट सेगमेंट का विस्तार और पूरे भारत में सेवाओं को मजबूत करना है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, केकेआर लगभग 4-5 करोड़ डालर में बुकमाईशो की 6% हिस्सेदारी ले रही है। 2007 में बिगट्री एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित बुकमाईशो, 700 से अधिक शहरों में भारत का अग्रणी मनोरंजन गंतव्य है। केकेआर का यह निवेश भारत के तेजी से बढ़ते मनोरंजन क्षेत्र और बुकमाईशो की भविष्य की क्षमता में उसके गहरे विश्वास को दर्शाता है। कंपनी मानती है कि बढ़ती खर्च क्षमता, विशाल युवा आबादी और विश्व स्तरीय लाइव अनुभवों की मांग इस वृद्धि को और गति देगी। इस सौदे के लिए एवेंडस कैपिटल ने वित्तीय सलाहकार के रूप में और ट्राइलीगल ने कानूनी सलाहकार के रूप में काम किया।

अल्ट्रावायलेट ने जुलाई 2026 में बेची इवी बाइक की 694 यूनिट्स

नई दिल्ली। भारतीय दोपहिया बाजार में इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, और इस दौड़ में बेंगलुरु स्थित अल्ट्रावायलेट आटोमाबाइल कंपनी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी द्वारा जारी खुदरा बिक्री आंकड़ों के अनुसार, अल्ट्रावायलेट ने जुलाई 2026 में अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों की 694 यूनिट्स की डिलीवरी की, जो पिछले साल जुलाई 2025 में बेची गई 137 यूनिट्स की तुलना में 406प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर्शाती है। फरवरी 2023 में भारत में अपने उत्पाद की बिक्री शुरू करने के बाद से यह जुलाई का महीना कंपनी के लिए सबसे बड़ी मासिक खुदरा बिक्री वाला रहा है। अल्ट्रावायलेट को मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब रेसट्रैक पर अपने उत्पादों का परीक्षण करने वाला भारत का पहला ईवी ओईएम होने का गौरव प्राप्त है, जो प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन को प्राथमिकता देने के लिए जाना जाता है। कंपनी अपने हाई-वोल्टेज बैटरी सिस्टम, एडवांस्ड इलेक्ट्रानिक्स और एयरोस्पेस-प्रेरित इंजीनियरिंग के लिए प्रसिद्ध है, और इसकी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिलों की सिंगल चार्ज पर रेंज 323 किलोमीटर तक है। अल्ट्रावायलेट एफ77 भारत में निर्मित सबसे तेज इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल है, जिसमें 27 केवी की मोटर और 85 एनएम का टार्क है, जिसकी टाप स्पीड 140 किमी प्रति घंटा है। वर्ष 2026 में कंपनी ने जनवरी से लेकर 12 अगस्त तक कुल 3,200 ई-मोटरसाइकिलों की खुदरा बिक्री की है, जो कंपनी के तीव्र विकास को दर्शाता है।

टेक्नो ने लांच किया पोवा 8 प्रो 5जी

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में टेक्नो ने अपना नया प्रीमियम गेमिंग स्मार्टफोन पोवा 8 प्रो 5जी लान्च कर दिया है। इस स्मार्टफोन में गेमिंग के साथ-साथ एक शानदार डिस्प्ले, बड़ी बैटरी और बेहतर कैमरा का संगम मिलता है। यह फोन आक्टा-कोर मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7000 सीरीज के चिपसेट से लैस है, जो दमदार परफार्मेंस का वादा करता है। पोवा 8 प्रो 5जी में 6500 एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जो 45 वाट वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है, जिससे यूजर्स को लंबे समय तक बिना चार्जिंग की चिंता किए गेम खेलने और फोन इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा। स्मार्टफोन में डुअल रियर कैमरा सिस्टम है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का आटो-फोकस कैमरा शामिल है। पोवा 8 प्रो 5जी को भारत में दो वेरिएंट में पेश किया गया है: 8जीबी रैम + 256जीबी स्टोरेज माडल की कीमत रुपए 49,999 है, जबकि 12जीबी रैम + 512जीबी स्टोरेज माडल की कीमत रुपए 54,999 है। कंपनी चुनिंदा क्रेडिट/डेबिट कार्ड और यूपीआई लेनदेन पर रुपए 3000 का तत्काल कैशबैक भी दे रही है। यह नया पोवा स्मार्टफोन 21 अगस्त से फिलपकार्ट पर आर्क व्हाइट, ग्रेफाइट ब्लैक और टुंड्रा ग्रीन रंग विकल्पों में उपलब्ध होगा। इसकी एक और खास बात पीछे दिया गया अलाइव मैट्रिक्स डिस्प्ले है, जिसमें कैमरा माड्यूल के आसपास 177 अलग-अलग मिनी एलईडी हैं।

टेंपसेंस इंस्ट्रुमेंट्स का आईपीओ लान्च, आधे घंटे में ही हुआ फुली सब्सक्राइब

नई दिल्ली

तापमान मापने वाले सेंसर, इलेक्ट्रिक हीटिंग और स्पेशल केबल साल्यूशंस बनाने वाली कंपनी टेंपसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 अगस्त को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 अगस्त को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लान्चिंग के बाद पहले आधे घंटे में ही ये आईपीओ फुली सब्सक्राइब हो गया। दोपहर 12:50 बजे तक इस आईपीओ को 3.05 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 285 रुपये से लेकर 300 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 50 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लाट यानी 50 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,95,000 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लाट में 650 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत चार रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,16,66,666 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 95 करोड़ रुपये के 31,66,666 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 555 करोड़ रुपये के 1,85,00,000 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.88 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.92 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.97 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के एंप्लायीज के लिए 0.23 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

टेंपसेंस इंस्ट्रुमेंट्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 40.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 62.56 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 71.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 278.04 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 382.47 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 455.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 30.13 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 71.83 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 77.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

कंपनी का रिजर्व और सरप्लस भी इस अवधि में लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 202.98 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 427.25 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 465.16 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 180.61 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 430.63 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का नेटवर्थ 496.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अनिंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2023-24 में 61.13 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 97.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 113.17 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

पुराने सोलर पैनल को रीसायकल करने में अरबों डालर का फायदा

नई दिल्ली

बेकार हो चुके पुराने सोलर पैनल सिस्टम को रीसायकल करने से कुल मिलाकर 529.1 अरब डालर से 935.5 अरब डालर (लगभग 89 लाख करोड़ रुपये) का आर्थिक फायदा हो सकता है। यह दावा किया है ताजा अध्ययन में। रिसर्चर्स ने पाया कि 2060 तक दुनियाभर में फोटोवोल्टिक (पीवी कचरा 29.7 करोड़ से 40.2 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। 3.32 अरब टन तक कार्बन डाईआक्साइड के बराबर उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। आम तौर पर स्टैंडर्ड सोलर पैनल 25 से 30 साल तक काम करते हैं। दुनियाभर में तेजी से इनके इस्तेमाल के बाद 2030 और 2060 के बीच पैनलों के बेकार होने की रफ्तार बहुत बढ़ जाएगी। उम्मीद है कि हर साल बेकार होने वाले पीवी पैनलों की मात्रा 2020 में सिर्फ 0.2 लाख टन से बढ़कर 2060 तक 1.9 करोड़ टन से ज्यादा हो जाएगी। चीन में सबसे ज्यादा बेकार हार्डवेयर पैदा होने की उम्मीद है। यह 11.28 करोड़ से 16.05 करोड़ टन के बीच होगा। वहीं, भारत में 2.68 करोड़ से 3.52 करोड़ टन कचरा पैदा होने का अनुमान है।

यह दुनियाभर के कुल कचरे का लगभग 8.6 प्रतिशत से 9.2प्रतिशत होगा। बेकार हो चुके सोलर पैनलों में सिलिकान, सिल्वर, कापर और टेल्यूरियम जैसे जरूरी मटीरियल होते हैं। हालांकि, कुछ माड्यूल में लेड और कैडमियम जैसे जहरीले पदार्थ भी होते हैं। इसलिए इनका सुरक्षित निपटान और प्रोसेसिंग बहुत जरूरी है। इन तत्वों को निकालकर बेकार हो चुके पैनलों को क्लीन-टेक मैन्युफैक्चरिंग के लिए कच्चे माल के एक अहम दूसरे स्रोत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर भी मौजूदा रीसाइक्लिंग टेक्नोलाजी की लागत, क्षमता और पर्यावरण पर असर में बहुत अंतर है। रिसर्चर्स का अनुमान है कि पीवी रीसाइक्लिंग 2035 और 2040 के बीच आर्थिक रूप से फायदेमंद हो जाएगी। जैसे-जैसे क्षमताएं बेहतर होंगी, प्रोसेसिंग की लागत 2020 में 342-2,550 डालर प्रति टन से घटकर 2040 तक 55.9-402.7 डालर प्रति टन हो जाने का अनुमान है।

नतीजे बताते हैं कि थर्मल ट्रीटमेंट को प्राथमिकता देने वाले प्रोसेसिंग तरीकों से सबसे ज्यादा आर्थिक फायदा और कार्बन उत्सर्जन में कमी का फायदा मिलता है। इस ग्रीन बदलाव से असमानता का गंभीर खतरा पैदा होता है। बेहतर प्रोसेसिंग नेटवर्क वाले अमीर देशों को ज्यादातर आर्थिक फायदा होगा, जबकि कम आय वाले इलाके स्क्रैप एक्सपोर्ट करने पर ही निर्भर रहेंगे। विकासशील इलाके 2060 तक ग्लोबल आर्थिक फायदे का सिर्फ 1.3प्रतिशत से 2.1प्रतिशत हिस्सा ही हासिल कर सकते हैं।

दिवाला याचिका वापस, एनसीएलटी ने लगाया 15 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट (एनसीएलटी) की दिल्ली पीठ ने विमान लीज पर देने वाली कंपनी एविएटर एमएल 29641 लिमिटेड को स्पाइसजेट के खिलाफ अपनी दिवाला याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी है। दोनों पक्षों के विवाद निपटाने के बाद यह इजाजत मिली, हालांकि एनसीएलटी ने मामले को आदेश के लिए सुरक्षित रखने के बाद समझौता करने पर उन्हें संयुक्त रूप से 15 लाख रुपये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) में जमा करने का निर्देश दिया। विशेष पीठ ने दोनों पक्षों को 7 दिन के भीतर 7.5-7.5 लाख रुपये पीएमएनआरएफ में जमा करने का आदेश दिया। ट्रिब्यूनल रजिस्ट्री के समक्ष भुगतान का प्रमाण प्रस्तुत होने के बाद ही याचिका वापस मानी जाएगी, अन्यथा मामला दोबारा सूचीबद्ध कर दिया जाएगा। पंचाट ने स्पाइसजेट के खिलाफ लंबित 7 अन्य दिवाला याचिकाओं पर भी अपने सुरक्षित आदेशों को वापस ले लिया है और उन्हें नए सिरे से विचार के लिए नियमित पीठ को भेजने का निर्देश दिया। एविएटर ने साल 2024 में दिवालियापन और ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा 9 के तहत 58.64 करोड़ रुपये के भुगतान में चूक का आरोप लगाते हुए यह याचिका दाखिल की थी। यह मामला 7 अन्य याचिकाओं के साथ सुना गया था और मूल रूप से 17 अगस्त को फैसला सुनाया जाना था। आदेश सुनाए जाने से ठीक पहले दोनों पक्षों ने निपटारा कर लिया, जिसके तहत स्पाइसजेट ने 500,000 डालर का प्रारंभिक भुगतान किया है।

सरकार ने चीनी स्टाक सीमा घटाई, अब 15 दिन ही रख सकेंगे डीलर

1 सितंबर से लागू होगा नया नियम, जमाखोरी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली

देश में चीनी की लगातार बढ़ती कीमतों और आगामी त्योहारी सीजन में संभावित भारी मांग के मद्देनजर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब थोक डीलर और बड़े खरीदार 15 दिन से ज्यादा चीनी का स्टाक अपने पास नहीं रख सकेंगे। यह सख्त नियम 1 सितंबर से लागू होकर 30 नवंबर तक प्रभावी रहेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करना और उसकी कीमतों को नियंत्रण में रखना है। भारत दुनिया में चीनी का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, और गणेश चतुर्थी, दशहरा व दिवाली जैसे बड़े त्योहारों के कारण अगस्त से नवंबर के बीच चीनी की मांग अपने चरम पर होती है। इस अवधि में न सिर्फ घरों में बल्कि बिस्कुट, मिठाई और अन्य खाद्य कंपनियां भी भारी मात्रा में चीनी खरीदती हैं। ऐसे में, सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि बाजार में पर्याप्त चीनी उपलब्ध रहे और जमाखोरी के कारण कीमतों में अनावश्यक वृद्धि न हो। पहले भी सरकार ने स्टाक रखने की सीमा 30 दिन की थी, लेकिन कीमतों में तेजी जारी रहने के बाद अब इसे और घटाकर 15 दिन कर दिया गया है। यह नियम उन डीलरों पर लागू होगा जो एक महीने में 10 मीट्रिक टन से ज्यादा चीनी का कारोबार या

इस्तेमाल करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक महीने में चीनी की कीमतें करीब 10 प्रतिशत बढ़ी हैं और रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, मौजूदा औसत एक्स-मिल कीमत 5,400-5,500 रुपये प्रति क्विंटल है, जो एक साल पहले 3,900 रुपये थी। वहीं खुदरा बाजार में भी ग्राहकों को इसका असर दिख रहा है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक, 18 अगस्त को चीनी की औसत खुदरा कीमत 52.30 रुपये प्रति किलो थी, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 46.34 रुपये थी, यानी सालाना आधार पर लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नई फसल का सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होगा, लेकिन शुरुआती स्टाक को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। अनुमान है कि नए सीजन की शुरुआत में लगभग 40-42 लाख टन चीनी उपलब्ध होगी, जबकि देश की घरेलू जरूरत करीब 50 लाख टन रहने का अनुमान है। कुछ इलाकों में कम बारिश से गन्ने की फसल प्रभावित होने की खबर भी उत्पादन को लेकर चिंता बढ़ा रही है। खाद्य मंत्रालय चीनी की उपलब्धता और स्टाक पर लगातार नजर बनाए हुए है और मिलों को खरीदारों की सही जानकारी साझा करने के निर्देश दिए गए हैं ।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लंबे समय वाले कर्ज को वापस खरीदने का ऐलान करने की वजह से बान्ड मार्केट का दबाव घट गया। इसके कारण अमेरिकी स्टाक मार्केट के निवेशक उत्साहित होकर कारोबार करते रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद वापस बढ़त हासिल कर बंद होने में सफल रहा। यह सूचकांक 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,707.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,331.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 53,480.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,743.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,501.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.14 प्रतिशत टूट कर 26,091.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत लुढ़क कर 5,666.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 178.54 अंक यानी 0.40 प्रतिशत फिसल कर 44,540.81 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 160 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,250 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 598.58 अंक यानी 0.92 प्रतिशत उछल कर 65,925 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्ती तेजी बनी हुई है। फिलहाल यह सूचकांक 400.15 अंक यानी 5.82 प्रतिशत की उछाल के साथ 6,871.32 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने भी जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 79.87 अंक यानी 1.25 प्रतिशत उछल कर 6,473.99 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 292.93 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,788 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,614.83 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,905.23 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

कार्तिक त्यागी ने की रिंकू सिंह की तारीफ, कहा वह दुनिया के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल

लखनऊ

मेवरिक्स के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने अपनी टीम के कप्तान रिंकू सिंह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया के शीर्ष पांच फिनिशरों में शामिल बताया है। त्यागी ने कहा कि दबाव की परिस्थितियों में डेथ ओवरों में जिस तरह रिंकू मैच का रुख बदलते हैं, वह उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में खड़ा करता है।

त्यागी की यह टिप्पणी यूपी टी20 लीग के चौथे सत्र के आठवें मुकाबले में रिंकू की शानदार मैच जिताऊ पारी के बाद आई है। खेले गए मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स के सामने लखनऊ फाल्कन्स ने 184 रन का लक्ष्य रखा था। बारिश के कारण मैच डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के तहत रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था।

17वें ओवर में मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पार स्कोर से पीछे थी। ऐसे समय में रिंकू ने नवनीत कुमार के ओवर में पांच गेंदों पर 26 रन ठोककर मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए और मेरठ को 16.5 ओवर में छह विकेट पर 154 रन तक पहुंचाया।

भारी बारिश के कारण खेल रुकने के समय मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न लक्ष्य से पांच रन आगे थी और उसने अप्रत्याशित जीत दर्ज की।

कार्तिक त्यागी ने कहा, जिस नंबर पर वह बल्लेबाजी करने आते हैं और जिस तरह अंत में प्रदर्शन करते हैं, अगर पूरी दुनिया को देखें तो वह इस नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले और इस तरह मैच पर दबदबा बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में लगभग शामिल हैं। जब तक वह क्रीज पर रहते हैं, हमें हमेशा भरोसा रहता है कि हालात चाहे जैसे हों, मैच हमारे पक्ष में किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने जितनी मेहनत की है, यहां शायद ही किसी ने उतनी मेहनत की हो। उसी मेहनत का नतीजा उन्हें मिलता है और हमारी टीम को भी उसका फायदा होता है।

त्यागी 2026 आईपीएल में रिंकू के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहे थे और अब मेरठ मेवरिक्स में उनकी कप्तानी में खेल रहे हैं।

रिंकू की कप्तानी की भी तारीफ करते हुए त्यागी ने कहा कि उनका आक्रामक रवैया पूरी टीम में आत्मविश्वास भरता है। उन्होंने कहा, उनकी कप्तानी में खेलने से काफी आत्मविश्वास मिलता है। उनका रवैया देखें तो हम मैदान पर इस मानसिकता के साथ उतरते हैं कि हमें सिर्फ जीतना नहीं, बल्कि दबदबा बनाना है।

न्यूज ब्रीफ

सिनक्विफील्ड कप: आर्मगेडन में हार के बाद प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर रहे

सेंट लुइस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सिनक्विफील्ड कप में उपविजेता के रूप में अपना अभियान समाप्त किया। खिताब के लिए हुए आर्मगेडन मुकाबले में उन्हें अमेरिका के वेस्ली सो के हाथों हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंद ने अंतिम क्लासिकल मुकाबले में नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के खिलाफ बाजी ड्रा खेली। इसके बाद उन्हें शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो के खिलाफ टाईब्रेकर खेलना पड़ा। सो ने काले मोहरों से ड्रा हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। नियमों के मुताबिक, बराबरी की स्थिति में पहले दो रैपिड बाजियां खेली जाती हैं। अगर इसके बाद भी फैसला नहीं होता है तो आर्मगेडन मुकाबला कराया जाता है, जिसमें सफेद मोहरों वाले खिलाड़ी को पांच मिनट और काले मोहरों वाले खिलाड़ी को चार मिनट दिए जाते हैं। प्रज्ञानानंद और सो के बीच दोनों रैपिड बाजियां ड्रा रहीं, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। इसके बाद हुए आर्मगेडन मुकाबले में सो ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और खिताब पर कब्जा जमाया। हालांकि, दूसरे स्थान पर रहने का 21 वर्षीय प्रज्ञानानंद को बड़ा फायदा मिला। उन्होंने ग्रैंड चेस टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जिसका आयोजन 22 अगस्त से होगा। ग्रैंड चेस टूर फाइनल में प्रज्ञानानंद के अलावा वेस्ली सो, फैबियानो करूआना और विंसेंट कीमर हिस्सा लेंगे। ये चारों खिलाड़ी ग्रैंड चेस टूर की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थानों पर रहे। सिनक्विफील्ड कप में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहने वाले जावोखिर सिंदारोव केवल आधे अंक से क्वालीफाई करने से चूक गए।

सिनसिनाटी ओपन में बड़ा उलटफेर, दुनिया की नंबर एक सबालेंका को सारा बेजलेक ने हराया

सिनसिनाटी। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को सिनसिनाटी मास्टर्स के चौथे दौर में चेक गणराज्य की सारा बेजलेक के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। बेजलेक ने सबालेंका को 7-6 (9-7), 6-4 से हराकर पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत दर्ज की। सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन 35वीं रैंकिंग की बेजलेक ने अपनी बेहतरीन मूवमेंट और लगातार दबाव के दम पर मुकाबले में वापसी की। उन्होंने टाईब्रेक में 9-7 से पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में बेजलेक ने सबालेंका की सर्विस तीन बार तोड़ी। इसके बाद उन्होंने शानदार अंदाज में मैच खत्म किया। आखिरी गेम में उन्होंने एक भी अंक गंवाए बिना जीत दर्ज की और मैच का अंत ऐस के साथ किया। जीत के बाद बेजलेक ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। यह अविश्वसनीय महसूस हो रहा है। इस साल अबू धाबी में हार्ड कोर्ट खिताब जीत चुकी बेजलेक अब अगले दौर में अमेरिका की मैडिसन कीज का सामना करेंगी। वहीं, सबालेंका के लिए अमेरिकी ओपन से पहले यह लगातार दूसरा निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले सप्ताह वह टोरंटो मास्टर्स के चौथे दौर में बाहर हो गई थीं। इससे पहले विंबलडन में भी उन्हें चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में उनका सफर समाप्त हुआ था।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 171 रनों पर समेटा, राबिन्सन और टंग ने लिए पांच-पांच विकेट

लंदन। ओली राबिन्सन और जोश टंग की घातक गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पहले क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में मेहमान टीम पाकिस्तान को 171 रनों पर ही समेट दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम इंग्लैंड ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में दो विकेट के नुकसान पर 112 रन बना लिए थे। इस मैच में मेजबान टीम ने टास जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने शुरुआती ओवरों में ही उसने विकेट गंवाने शुरु कर दिये। मैच की पहली ही गेंद पर तेज गेंदबाज ओली राबिन्सन ने सलामी बल्लेबाज अजान ओवैस को पवेलियन भेज दिया। पाकिस्तानी टीम के खिलाड़ी मेजबान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ही पचास रन बना पाये। शफीक ने 104 गेंदों पर 61 रन बनाए। उनके अलावा, इमाम-उल-हक ने 42 रन बनाये। नियमित कप्तान बाबर आजम के बाहर होने के कारण सलमान आगा को इस मैच में कप्तानी दी गयी है। इंग्लैंड की ओर से ओली राबिन्सन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 18 ओवर में 51 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि जोश टंग ने 9.1 ओवर में 46 रन देकर 5 विकेट लिए।

श्रीलंका के खिलाफ जीत से भारतीय टीम के अंत प्रतिशत 53.33 पहुंचे, डब्यूटीसी फाइनल की उम्मीदें बरकरार

मुम्बई

भारतीय टीम की श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट में जीत के साथ उसके विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की राह बन गयी है।

भारतीय क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच में 165 रनों से हरा दिया था। जिससे डब्यूटीसी अंक तालिका में वह भले ही पांचवें स्थान पर हो पर उसके अंक प्रतिशत बढ गये हैं। भारतीय टीम के अंक प्रतिशत अब 53.33 हो गये है। आस्ट्रेलिया अभी भी शीर्ष पर बरकरार है पर उसका अंक प्रतिशत नीचे आया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका दूसरे जबकि न्यूजीलैंड तीसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर हैं।

गौरतलब है कि डब्यूटीसी 2025-27 चक्र में भारतीय टीम को अभी कुल आठ टेस्ट मैच खेलने हैं। इन मुकाबलों में भारतीय टीम को श्रीलंका, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से खेलना है। फाइनल में जगह बनाने के लिए भारतीय टीम को बचे हुए आठ मैचों में से कम से कम सात जीतने होंगे। यदि भारतीय टीम इंडिया यह लक्ष्य हासिल कर लेती है, तो उसका अंक प्रतिशत बढ़कर 68.51 हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, अगर भारतीय टीम अपने सभी आठों शेष मुकाबले जीतने में कामयाब होती है, तो उसका अंक प्रतिशत 74.07 तक पहुंच जाएगा। गौरतलब है कि डब्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए कोई तय अंक प्रतिशत नहीं है। ये अन्य टीमों के प्रदर्शन और उनके परिणामों पर भी काफी हद तक निर्भर करता है। आमतौर पर, 70 प्रतिशत से अधिक पीसीटी वाली टीमें फाइनल में जगह बना लेती हैं, लेकिन पिछले कुछ संस्करणों में यह नियम हमेशा लागू नहीं हुआ है। भारतीय टीम का फाइनल में पहुंचना केवल उसके अपने शानदार प्रदर्शन पर ही नहीं, बल्कि प्रतिद्वंद्वी टीमों के मैचों के परिणामों और उनके अंत प्रतिशत पर भी निर्भर करेगा। श्रीलंका के खिलाफ भारतीय टीम का एक और टेस्ट मैच कोलंबो में खेला जाना है, जिसके बाद उसे न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। अक्टूबर-नवंबर के महीने में भारतीय टीम न्यूजीलैंड में दो टेस्ट मैच खेलेगी। इसके बाद उसे आस्ट्रेलिया से खेलना है। इन सभी में जीत के साथ ही वह फाइनल में प्रवेश कर सकती है।

टेस्ट क्रिकेट मेरी पहली प्राथमिकता: पडिक्कल

गाल। श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का लक्ष्य हर अवसर का लाभ उठाते हुए इस प्रारुप में अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी जगह पक्की करना है। पडिक्कल को दो साल के बाद टेस्ट टीम में वापसी का अवसर मिला था जिसका उनहोंने पूरा लाभ उठाया। इस बल्लेबाज ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अपने प्रदर्शन से उत्साहित पडिक्कल ने स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट उनका अंतिम लक्ष्य है और वे अपने खेल को इसी के अनुसार ढाल रहे हैं। पडिक्कल ने कहा, मैं हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट रहा हूं कि टेस्ट क्रिकेट मेरा अंतिम लक्ष्य है। इसलिए मैंने अपने खेल को इस तरह ढालने की कोशिश की है कि मैं अपनी बुनियादी तकनीक के साथ खेलते रहूं। मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि जब भी जरूरत हो मैं लाल गेंद के क्रिकेट में आसानी से ढल सकूं क्योंकि यह मेरी पहली प्राथमिकता है। पडिक्कल ने हालांकि ये स्वीकार किया कि सीमित ओवरों और टेस्ट क्रिकेट के बीच लगातार बदलाव करना आसान नहीं है, और इसके लिए उन्हें अपनी बल्लेबाजी में सावधानीपूर्वक बदलाव करने पड़ते हैं। पडिक्कल ने कहा कि प्रारुप के अनुसार वह अपनी बल्लेबाजी को लेकर तैयारी करते हैं। उन्होंने कहा, सफेद गेंद के क्रिकेट में मेरी बल्लेबाजी की एक अलग तैयारी होती है। इससे मैं अधिक शाट खेल सकता हूं और अपने हाथों को थोड़ा खुला रखता हूं। लेकिन लाल गेंद के क्रिकेट में इस पहलू को थोड़ा कसकर रखना जरूरी है। इसमें हाथ शरीर के कुछ ज्यादा करीब रखने पड़ते हैं। तकनीकी बदलावों के साथ-साथ, उन्होंने मानसिक बदलाव को भी उतना ही महत्वपूर्ण बताया। उनका मानना है कि लगातार सफेद गेंद से लाल गेंद के क्रिकेट में आने-जाने के कारण यह आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने इसमें सुधार किया है और आगे भी बेहतर करने की उम्मीद रखते हैं।

मोंटी देसाई ने छोड़ा कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद

टोरंटो

कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम को अब नए मुख्य कोच की तलाश है। टीम के मुख्य कोच मोंटी देसाई ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। देसाई मई में दूसरी बार कनाडा की टीम से जुड़े थे और उनके कार्यकाल में टीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग-2 की दो त्रिकोणीय श्रृंखलाओं में हिस्सा लिया, जिसमें एक श्रृंखला कनाडा में और दूसरी स्काटलैंड में खेली गई। देसाई के जाने के समय कनाडा के विश्व कप लीग-2 अभियान में चार मुकाबले बाकी हैं। टीम शीर्ष चार में जगह बनाने से छह अंक पीछे है और उसके सामने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर प्ले-आफ में खेलने का खतरा मंडरा रहा है।

यह पुन: क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के क्वालीफायर के लिए चार स्थान तय करेगी।

देसाई का कनाडा के साथ यह दूसरा कार्यकाल था। इससे पहले वह 2019 में नामीबिया में विश्व क्रिकेट लीग-2 अभियान के दौरान टीम के कोच रह चुके हैं।

पद छोड़ने के बाद देसाई ने सोशल मीडिया पर कहा, यह छोटा अध्याय था, लेकिन मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। हर माहौल आपको कुछ नया सिखाता है। इस अनुभव ने मेरे इस विश्वास को और मजबूत किया कि निरंतर सफलता समय, विश्वास, तैयारी, मजबूत रिश्तों और सामूहिक जिम्मेदारी से बनती है।

उन्होंने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और इस सफर में साथ रहे सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा, मैं बनाए गए रिश्तों, मिली सीख और योगदान देने के अवसर के लिए आभारी हूं।

मोंटी देसाई को कोचिंग का 20 वर्ष से अधिक का अनुभव है। उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात, अफगानिस्तान और नेपाल जैसी टीमों के साथ भी काम किया है। नेपाल के साथ उनके कार्यकाल में टीम ने क्रिकेट विश्व कप लीग-2 में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके अलावा वह 2024 टी20 विश्व कप में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेलने वाली नेपाल की टीम के साथ भी जुड़े रहे।

प्लेयर आफ द मैच अवार्ड हासिल करने वाले एकमात्र क्यूरेटर हैं क्रिस स्काट

जोहांसबर्ग। क्रिकेट इतिहास में क्रिस स्काट एकमात्र ऐसे पिच क्यूरेटर हैं जिन्हें प्लेयर आफ द मैच अवार्ड मिला है जबकि क्रिकेट के मैदान पर प्लेयर आफ द मैच असाधारण प्रदर्शन के लिए किसी बल्लेबाजों या गेंदबाज को दिया जाता है। पिच क्यूरेटर क्रिस स्काट को ये पुरस्कार इसलिए दिया गया था क्योंकि उन्होंने अपनी टीम के साथ असाधारण प्रयास कर भारी बारिश से गीले हुए मैदान को खेलने लायक बनाया था जिससे मैच रद्द होने से बच गया था। ये वाकया दिसंबर 2000 का है तब दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच यहां खेला गया मैच बारिश के कारण धुलने की आशंका थी पर स्काट और उनकी टीम ने दिन-रात की मेहनत कर बारिश से धुलते दिख रहे मुकाबले को बचाया। यह मामला दक्षिण अफ्रीका के वांडरर्स स्टेडियम में खेले जा रहे तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे और अंतिम मुकाबले का है। दक्षिण अफ्रीका पहले ही शुरुआती दोनों टेस्ट जीतकर सीरीज जीत गया था, वहीं तीसरे मैच में हो रही बारिश ने इसे आयोजित करना लगभग असंभव बना दिया था। मैच के पहले और चौथे दिन का खेल तक नहीं हो पायाकथा। मैदान में जगह-जगह पानी भर गया था और ऐसा लग रहा था कि यह मुकाबला आगे नहीं हो पायेगा पर स्काट और उनकी टीम ने हार नहीं मानी।

भारत की उन्नति बीडब्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप से बाहर हुई, राउंड आफ-32 में कनाडा की अनुभवी खिलाड़ी मिशेल ने हराया

नई दिल्ली

भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा बीडब्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में मिली हार के साथ ही बाहर हो गयी है। उन्नति को राउंड आफ-32 में कनाडा की अनुभवी खिलाड़ी मिशेल ली ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले के बाद 21-11, 9-21, 23-21 से हरा दिया। तकरीबन एक घंटे तक चले इस मुकाबले में

उन्नति ने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया पर इसके बाद भी मुकाबला उनके हाथ से निकल गया। इस भारतीय खिलाड़ी ने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में कनाडाई खिलाड़ी को कड़ी टक्कर देते हुए पहल गेम जीता। इसके बाद ली ने वापसी करते हुए मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। वहीं तीसरे और अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच हर अंक के लिए कड़ा संघर्ष हुआ। उन्नति ने मैच अंक हासिल कर लिया पर इसके बाद भी वह मुकाबला जीत नहीं पायीं। अंत में ली ने 23-21 से गेम जीत लिया।

उन्नति ने शुरुआत से ही अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार चार अंक हासिल कर 4-1 की शुरुआती बढ़त बना ली। उन्होंने हाफ टाइम तक 11-8 की बढ़त बना ली। उन्नति ने ली को हर अंक के लिए संघर्ष करने पर मजबूर किया और उनकी कुछ गलतियों का लाभ उठाते हुए पहला गेम आसानी से 21-11 से जीत लिया।

दूसरे गेम की शुरुआत भी उन्नति ने 3-1 की बढ़त के साथ की, लेकिन इस बार कनाडा की खिलाड़ी मिशेल ने वापसी करते हुए 6-4 की बढ़त बनाई और हाफ टाइम तक स्कोर को 11-5 पर पहुंचा दिया। उन्नति की कुछ अनावश्यक गलतियां का का लाभ कनाडाई खिलाड़ी ने उठाया और बिना किसी परेशानी के दूसरा गेम 21-9 से जीतकर मुकाबले को बराबरी

पर ला दिया।निर्णायक और अंतिम गेम में उन्नति ने एक बार फिर शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच अंक बटोरे और 5-4 की बढ़त बना ली। इसके बाद मुकाबला 20-19 की बढ़त बनाकर मैच अंक हासिल कर लिया। यहां वह दबाव में आ गयीं और मैच अंक नहीं जीत पायीं। अनुभवी ली ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए लगातार अंक हासिल करते हुए निर्णायक गेम 23-21 से जीतकर उन्नति को बाहर कर दिया। उन्नति ने इससे पहले म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेमों में 22-20, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में अपनी जगह बनाई थी।

आकाश चोपड़ा ने ऋषभ को अब तक का सर्वश्रेष्ठ भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज बताया

गाल

पूर्व भारतीय ओपनर आकाश चोपड़ा ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह भारतीय टेस्ट इतिहास के सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। वहीं कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि ऋषभ बेहद प्रतिभाशाली हैं पर परिस्थितियों के हिसाब से नहीं खेलते और तेजी से रन बनाने के प्रयास में वह अपना विकेट गंवा देते हैं, जिससे टीम को नुकसान होता है। वहीं कुछ जानकारों का मानना है कि आक्रामक खेल ही उनकी ताकत है। इससे वह विरोधी टम पर दबाव बना देते हैं। इस बल्लेबज ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में अपने को साबित किया है। पहली पारी में उन्होंने 62 गेंदों में संयमित 39 रन बनाए, वहीं दूसरी पारी में, जब टीम को तेज गति से रनों की आवश्यकता थी, उन्होंने मात्र 69 गेंदों में शानदार 66 रन बनाकर अपनी आक्रामक शैली को भी प्रभावी ढंग से

दिखाया। उनके इस प्रदर्शन से प्रभावित आकाश ने उन्हें भारतीय टेस्ट क्रिकेट इतिहास का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज करार दिया है।

आकाश चोपड़ा ने कहा, यह एक बार फिर याद दिलाता है कि भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में उनसे बेहतर कीपर-बल्लेबाज कोई नहीं हुआ। चोपड़ा ने पंत की निरंतरता, विकेट के पीछे उनकी चुस्ती, और टीम को आगे बढ़ाने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से उनकी नान-स्टाप कमेंट्री का उल्लेख किया जो मैदान पर सभी को सक्रिय रखती है। चोपड़ा ने इस क्रिकेटर को एक्स फैक्टर बताते हुए कहा कि बहुत कम खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो आपको टेस्ट क्रिकेट से प्यार करने के लिए मजबूर करते हैं, और ऋषभ निश्चित रूप से उन्हीं में से एक हैं। वह हमेशा भावनाओं को जगाते हैं। चोपड़ा ने बताया, जब आप उन्हें खेलते हुए देखते हैं, तो या तो आप उन्हें पसंद करते हैं, या कभी-कभी उनसे नफरत भी करते हैं। कई बार जब आप उन्हें पसंद भी करते हैं, तब भी आपको लगता है कि कोई खास चीज गलत हो गई है।

चोपड़ा ने यह भी कहा कि इस क्रिकेटर ने अपने खेल में महत्वपूर्ण सुधार किया है और अब वह परिस्थितियों के हिसाब से कहीं बेहतर खेल रहे हैं। उन्होंने समझाया, जब हालात थोड़े मुश्किल होते हैं, तो वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। चोपड़ा ने माना कि हर खिलाड़ी का एक खास खेलने का तरीका होता है।

अब इंग्लिश काउंटी में खेलते नहीं दिखेंगे आलराउंडर कीथ बार्कर

लंदन। इंग्लिश काउंटी टीम वार्विकशायर के अनुभवी आलराउंडर कीथ बार्कर अब खेलते नहीं दिखेंगे। बार्कर ने खेल को अलविदा कह दिया है। इस क्रिकेटर ने अपने करियर के दौरान कुल 702 विकेट लिए थे। 39 साल के बार्कर ने लगातार चोटिल होने के कारण खेल से संन्यास लिया है। उनका कहना है कि अब शरीर साथ नहीं दे रहा है। उनके अचानक लिए इस फैसले से प्रशंसक और साथ खिलाड़ी हैरान हैं। इस आलराउंडर ने वार्विकशायर के लिए 2009 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। इससे पहले वह हैम्पशायर के साथ सात सफल सीजन बिता चुके थे और फिर एक दशक बाद अपने शुरुआती क्लब में वापसी की। हालांकि, वापसी के बाद से फिटनेस ने उन्हें खासा परेशान किया, और मौजूदा सीजन में वह वार्विकशायर के लिए केवल काउंटी मैचों में ही मैदान पर उतर पाए, जिससे उनके भविष्य को लेकर आशंकाएं लगाई जा रही थीं। अपने 171 फर्स्ट क्लास मैचों में बार्कर ने एक शानदार आलराउंडर के रूप में अपने को साबित किया। अपने करियर में इस क्रिकेटर ने कुल 544 विकेट लिए। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 46 रन देकर 7 विकेट लेने का था। गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी में भी इस क्रिकेटर ने काफी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 6 शतक और 26 अर्धशतकों की सहायता से 5554 रन बनाए। यह आंकड़े उनकी बहुमुखी प्रतिभा और खेल के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिसने उन्हें काउंटी क्रिकेट में एक सम्मानित खिलाड़ी बनाया। सिर्फ फर्स्ट क्लास ही नहीं, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट में भी बार्कर का प्रदर्शन दमदार रहा। 73 लिस्ट ए मैचों में उन्होंने 89 विकेट लिए और 639 रन बनाए, जबकि 65 टी20 मैचों में उनके नाम 69 विकेट और 383 रन दर्ज हैं। इस तरह, तीनों प्रारूपों को मिलाकर उनके करियर में कुल 702 विकेट और 6576 रन दर्ज हैं।

इन चीजों को दोबारा न करें गर्म नहीं मिलेगा कोई लाभ!

ताजा भोजन खाना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायिक होता हैं लेकिन अधिकतर घरों में बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करके खाया जाता हैं। भोजन को पकाने के बाद उसे ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से इसमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो जाते है। हमारे भोजन में कई ऐसी चीजें शामिल हैं, जिन्हें दोबारा गर्म करके खाना जहर के समान होता है। आज हम आपको बताते हैं कि कौन सी चीजों को दोबारा गर्म करके नहीं खाना चाहिए।

आलू

आलू का इस्तेमाल ज्यादातर हर सब्जी में किया जाता है। आलू सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं लेकिन इन्हें पकाकर ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। पके हुए आलू को ज्यादा देर तक रखने से इनमें पोषक तत्व खत्म हो जाते है। इसे दोबारा गर्म करके खाने से नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

चिकन

ताजा बना हुआ चिकन सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन चिकन को दोबारा गर्म करके खाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। चिकन को दोबारा गर्म करके खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।

चुकंदर

चुकंदर को दोबारा गर्म करने से इसमें मौजूद नाइट्रेट समाप्त हो जाता है। बेहतर है कि बचे हुए चुकंदर को फ्रिज में रख दें और खाने से कुछ घंटे पहले फ्रिज से बाहर निकाल दें। इसे बिना गर्म किए खाएं।

मशरूम

मशरूम में प्रोटीन अधिक मात्रा में पाया जाता है। मशरूम को दोबारा गर्म करके खाने से इसमें मौजूद प्रोटीन का कॉम्पोजिशन बदल जाता है, जोकि सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

पालक

पालक को दोबारा गर्म करके खाने से इसमें मौजूद नाइट्रेट कुछ ऐसे तत्वों में बदल जाते हैं, जिससे कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

नजर को नुकसान पहुंचाता है धूम्रपान

धूम्रपान करने सेहत के लिए बहुत हानिकारक है, इसके पैकेट पर भी यही लिखा होता है। फिर भी हम धूम्रपान करते हैं। अमेरिकी सरकार की एक रिपोर्ट में यह बताया गया है कि धूम्रपान से न केवल फेफड़ों का कैंसर होता है बल्कि इसके कारण अंधापन, डायबिटीज, लीवर का कैंसर और पौरूष में कमी जैसी बीमारियां भी होने लगती हैं। तंबाकू हमारे शरीर साथ आंखों को भी प्रभावित करता है।

खतरनाक हो सकती है हाइपोजेनिक स्टेज

अक्सर आप जब रात में गहरी नींद में सो रहे होते हैं तो अचानक आपको झटके आने लगते हैं। आमतौर पर ऐसा तब होता है जब रात में सपने देख रहे होते हैं। इसे हाइपेनिक जर्क कहा जाता है। माना जाता है कि लगभग 70 प्रतिशत लोग इस स्थिति को महसूस करते हैं।रात के समय में एक्सरसाइज शरीर की उत्तेजना को कम करने के साथ ही कैफीन का कम सेवन इसका बेहतर इलाज हो सकता है।

ज्यादा कॉस्मेटिक्स त्वचा के लिए हानिकारक...

कॉस्मेटिक उत्पादों व साबुन में ऐसे कई रसायनों का उपयोग हो रहा है, जो कि त्वचा के लिए खतरनाक है। यहां तक कि इनके ज्यादा इस्तेमाल से कैंसर तक हो सकता है। लिपस्टिक में कैमिकल होता है। यह होठों की नमी खत्म कर देती है। इसमें लीड भी होता है, जो कि रंग को गाढ़ा करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

लीड से दिमाग संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसी तरह मॉश्चराइजर में डिटर्जेंट जैसे कई कैमिकल मिले होते हैं। जो स्किन को खराब करते हैं। नेचरल ब्यूटी को खत्म कर देते हैं। नेलपॉलिश में एसीटोन होना है जो आपके नाखूनों को कमजोर बनाता है और उन्हे काफी नुकसान पहुंचाता है।

टेल्कम पाउडर में सिलिकेट्स टेल्क पड़ा हुआ होता है जो न केवल एक रासायनिक तत्व है बल्कि इसमें कैंसर कर देने वाले तत्व भी मौजूद होते है। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरमेंट (सीएसई) की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है कि कॉस्मेटिक में मरकरी, क्रोमियम, टार, निकेल जैसे खतरनाक कैमिकल होते हैं।

बेन्जोल पैरॉक्साइड

मुंहासों के उपचार के लिए बनने वाले उत्पादों में इस रसायन का उपयोग किया जाता है। हालांकि यह बहुत कम मात्रा में प्रयोग किया जाता है। इससे त्वचा में रूखापन होने के साथ खुजली भी हो जाती है। जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील है, उन्हें इससे जलन, खुजली व सूजन आदि की परेशानी हो सकती है। इसे कैंसरकारक भी माना जाता है।

ट्राइक्लोसन

बाजार में मौजूद कई एंटीबैक्टीरियल साबुन व सौंदर्य प्रसाधनों में इसका प्रयोग किया जाता है। इसके फायदे के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। हालांकि यह माना गया है कि यह रसायन त्वचा में खुजली पैदा करने के साथ थायरॉइड हार्मोन की सामान्य क्रिया प्रभावित करता है।

फॉर्मलडीहाइड

इसका प्रयोग सामान्यतः बॉडी वॉश, शैम्पू और कंडीशनर्स आदि में किया जाता है। माना जाता है कि यह एंटीबैक्टीरियल ग्रोथ रोकता है। कैंसर के कारणों की खोज करने वाली कई एजेंसीज के मुताबिक यह रसायन कैंसर का खतरा बढ़ाता है।

पीईजी-6

साबुन में प्रयोग किए जाने वाला यह पदार्थ कैंसर का खतरा बढ़ाता है।

पैराबेन

सौंदर्य प्रसाधनों में इसका प्रयोगे प्रिजरवेटिव के रूप में किया जाता है। अधिकतर यह बॉडीवॉश, शैम्पू, साबुन और क्लिंजर्स आदि में मिलाया जाता है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह रसायन महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के खतरे को बढ़ाता है।

डी एंड सी येलो 11

स्किन केयर और अन्य ब्यूटी उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले रंगों को प्रिफि क्स डी एंड सी (इग प्रिपरेशंस एंड कॉस्मेटिक्स) कहा जाता है। यह रसायन तब तक ही सुरक्षित है, जब तक शरीर इसे न सोखे। आंखों के आसपास के बाहरी हिस्सों के लिए यह नुकसानदायक माना जाता है।

खुशबू

इसका इस्तेमाल, साबुन, डियो, परफ्यूम, शैंपू व क्लिंजर्स सहित ज्यादातर ब्यूटी उत्पादों में किया जाता है। इससे कई बार एलर्जी, खुजली या त्वचा संबंधी कोई अन्य परेशानी, सांस संबंधी तकलीफ होने के अलावा सिरदर्द या माइग्रेन आदि की समस्या हो सकती है।

OIL सोखने के लिए न करें न्यूजपेपर का इस्तेमाल

अगर आप भी तले हुए खाद्य पदार्थों के ऑयल को सोखने के लिए न्यूजपेपर का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाइए। आपको बता दें कि यूजपेपर से तेल को पोछने और सोखने से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं। अगर आप लंबे वक्त से तेल को पोछने के लिए यह तरीका आजमा रहे हैं तो सबसे पहले अपनी आदत को बदलें और अपना हेल्थ चेकअप जरूर करवाएं। न्यूजपेपर से तेल को सोखने और पोछने से इसमें मौजूद कैमिकल खाद्य पदार्थों में चले जाते हैं और आपको सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आपकी इस आदत की वजह से आपको कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं।

कैंसर

न्यूजपेपर में इस्तेमाल होने वाली इंक काफी नुकसानदायक होती है। जब यह खाद्य पदार्थ तक पहुंचती है तो स्वास्थ्य संबंधी खतरों को और बढ़ा देती है। इससे कैंसर होने की संभावना भी रहती है।

किडनी और लंग्स प्रभावित

न्यूजपेपर में ग्रेफाइड पाया जाता है जब यह खाद्य पदार्थ के जरिए शरीर में पहुंचता है तो आपका शरीर विषैले पदार्थों को नष्ट करने में अक्षम हो जाता है। ऐसे में आपको लंग्स और किडनी संबंधी समस्या हो सकती है।

किस चीज का इस्तेमाल करें

न्यूजपेपर से ऑयल सोखने और पोछने की जगह आप टिश्यू पेपर या फिर किचन पेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सबसे बढ़िया विकल्प है। इसके अलावा आप अखबार की जगह साधा पेपर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ताकि... लिवर हमेशा रहे चुस्त-दुरुस्त

लिवर में संक्रमण होने की स्थिति में उसे ठीक करना जरूरी होता है। शरीर में लिवर की भूमिका अहम होती है जो तमाम गंदगी और हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालने में सहायक होता है। असंयमित दिनचर्या और गलत खानपान की वजह से लिवर में संक्रमण हो जाता है। इसलिए लिवर को संक्रमण और दूषित तत्वों से मुक्त करना जरूरी होता है और इसके लिए आप घरेलू उपायों का सहारा ले सकते है। बेरी और चीया के बीज लिवर में जमा प्रदूषक तत्वों को जल्द बाहर करने में सहायक होते है। इन दोनों में एंटी-ऑक्सिडेंट भरपूर मात्रा में होता है जो लिवर में जमा गंदगी को साफ करता है। साथ ही इनके सेवन से पाचन संस्थान भी सही ढंग से काम करने लगते है। चुकंदर के रस को पीने से लिवर की गंदगी साफ होती है और लिवर दोबारा सही ढंग से काम करने लगता है। आंवला लिवर के लिए रामबाण है। आंवला में काफी मात्रा में एंटी-ऑक्सिडेंट होते है जो लिवर को शक्ति प्रदान करते हैं और प्रदूषक तत्वों को निकाल बाहर फेंकने और संक्रमण मुक्त करने में सहायक होते है। इसलिए रोजाना एक ग्लास आंवला जूस का सेवन जरूर करना चाहिए।

भावनाओं पर नियंत्रण और व्यवहार में आता है बदलाव

दिमाग पर सीधा असर करती है यह बीमारी!

टाइप 2 मधुमेह के कारण व्यक्ति अच्छा जीवन नहीं जी पाता और अब शोधकर्ताओं ने पाया है कि यह मस्तिष्क की खास क्षमताओं को भी घटा सकता है। शोध के मुताबिक, टाइप-2 मधुमेह से मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर बुरा असर पड़ता है। इसमें भावनाओं पर नियंत्रण, व्यवहार और विचार आदि शामिल हैं।

गतिविधियों को मापा...

कनाडा में वॉटरलू विश्वविद्यालय से संबद्ध शोध के मुख्य लेखक कॉरी विन्सेंट के मुताबिक, मस्तिष्क के कामकाज का यह पहलू विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि जब भी हम अपनी स्वाभाविक प्रवृत्ति के विपरीत कोई काम करने का प्रयास करते हैं या हमें ऐसा करने के लिए बाध्य होना पड़ता है तो हम पूर्ण रूप से मस्तिष्क पर निर्भर होते हैं। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने 70 शोधों की समीक्षा की है, जिसमें टाइप 2 मधुमेह के 9,815 मरीजों की तुलना मधुमेह के अन्य 69,254 मरीजों से की गई और उनके मस्तिष्क की प्रमुख गतिविधियों को मापा गया।

कर सकते हैं बचाव...

वॉटरलू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और वरिष्ठ लेखक पीटर हॉल के मुताबिक, सामान्य रूप से टाइप-2 मधुमेह के मरीजों में दोहरी बाधाओं की वजह से मस्तिष्क गतिविधियों के नियंत्रण की अधिक जरूरत हो सकती है। संभावित रूप से ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि इस बीमारी का मस्तिष्क पर असर पड़ता है। विश्व में लगभग 60.0 करोड़ लोग टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित हैं और 2030 तक ऐसे लगभग 80.0 करोड़ मामले सामने आने की संभावना है। ऐसे में जरूरी है कि जिंदगी जीने के तौर-तरीके में बदलाव लाकर इस बीमारी से बचा जा सकता है।

विदेशों में पढ़ाई करना हो सकता है आसान

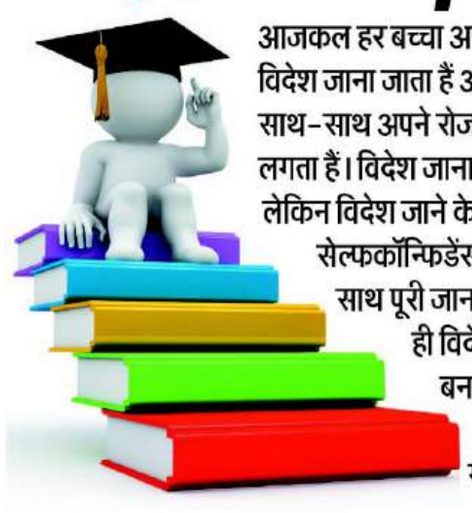

आजकल हर बच्चा अपना कॅरियर बनाने के लिए विदेश जाना जाता हैं और वहां पर पढ़ाई करने के साथ-साथ अपने रोजगार के साधन भी तलाशने लगता हैं। विदेश जाना कोई गलत बात नहीं, लेकिन विदेश जाने के लिए बच्चे में सेल्फकॉन्फिडेंस होना चाहिए और साथ-साथ पूरी जानकारी एकत्रित करने के बाद ही विदेश में पढ़ाई करने का प्रोग्राम बनाना चाहिए। इन बातों को ध्यान में रखकर ही विदेश में पढ़ाई करने जाएं।

इन बातों का रखें ध्यान...

- विदेश में जाने से पहले आप जिस यूनिवर्सिटी से स्टडी करना चाहते हैं पहले उसके सारे कोर्सेज की जानकारी एकत्रित कर लें, जिससे वहां पहुंचकर आपको किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।
- विदेश में जाने से पहले आप जहां ठहरने वाले हैं चाहे वो किराए का कमरा हो या हॉस्टल हो उस जगह की पूरी जानकारी एकत्रित करें। वरना आपको वहां पहुंचने के बाद समस्या हो सकती है।
- विदेश जानें से पहले आप अपनी पैकिंग सही ढंग से करें और बैंक अकाउंट खुलवाना न भूलें ऐसा करने से आपको करंसी की समस्या नहीं रहेगी और बैंक अकाउंट उसी बैंक में खुलवाएं जो विदेश पहुंचने पर सारी सुविधाएं उपलब्ध करवाए। अन्यथा आपको ट्रांजेक्शन की समस्या से दो-चार होना पड़ सकता है।
- विदेश में पहुंचने के बाद आप अच्छे दोस्तों के साथ संपर्क में आएं और उनके साथ मेल-जोल बढ़ाएं।
- विदेश पहुंचने के बाद जाते ही नौकरी नहीं मिल जाती इसके लिए कुछ समय इंतजार करना पड़ता है और वहां पहुंचकर अच्छी कंपनियों की जानकारी एकत्रित करें जो पार्ट टाइम जॉब ऑफर करती हो ऐसा करने से आप इस जॉब से पॉकेट मनी तो निकाल ही सकते हैं, जिससे आप अपने खर्च पूरे कर सकें।
- विदेश पहुंचने के बाद अगर वहां पर कोई समस्या भी आ जाए तो आप अपना सेल्फकॉन्फिडेंट कभी न खोएं बल्कि उस समस्या को सुलझाने का प्रयास करें व ज्यादा परेशान न होकर उसका हल निकालने का प्रयास करें।

रेसिपी

सातधान पराठा

सामग्री

1/4 कप गेहू का आटा, 1/4 कप ज्वार का आटा, 1/4 कप बाजरे का आटा, 1/4 कप रागी का आटा, 2 स्पून बेसन, 1/4 कप मकई का आटा, 2 स्पून चावल का आटा, 1/4 कप कसी हुई लौकी, 1/2 कप कसा हुआ गाजर, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1 टी-स्पून लसहुन का पेस्ट, 1/2 स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, **बेलने के लिए:** गेहूं का आटा , 2 1/2 स्पून तेल , पकाने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 10 बराबर भाग में बांट लें और थोड़े सूखे गेहूं आटे का प्रयोग कर, गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक पराठे को 1/4 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ से सुनहरा होने तक पका लें। और तुरंत परोसें।

टमेटो राईस

सामग्री

मसाला के लिए: 2 स्पून नारियल का तेल, 6 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च, 2 स्पून खड़ा धनिया, 1 स्पून चना दाल, 1 स्पून उड़द दाल, 1/4 स्पून मेथी दानें, 1/2 स्पून हींग, 2 स्पून सूखा कसा नारियल, **अन्य सामग्री:** 3/4 कप टमाटर पल्प,1/2 स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून नारियल का तेल, 2 स्पून घी, 1 स्पून सरसों, 3 स्पून मूंगफली, 6-7 कड़ी पत्ते, 2 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 कप कटा हुआ प्याज, 2 1/2 कप पके हुए चावल

विधि

मसाला के लिए: एक छोटे पैन में तेल गरम करें, सभी सामग्री डालकर मध्यम आंच पर 4-5 मिनट या इनमें से सौम्य खुशबू आने तक, लगातार हिलाते हुए भून लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। टमाटर का पल्प, हल्दी पाउडर और नमक को एक पैन में अच्छी तरह मिला लें और 5-7 मिनट के लिए या मिश्रण के गाढ़ा होने तक धीमी आंच पर, लगातार हिलाते हुए उबाल लें। तैयार मसाला डालकर अच्छी तरह मिला लें और एक मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। एक तरफ रख दें। एक कढ़ाई मे तेल और घी गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, मूंगफली और कड़ी पत्ते डालकर, धीमी आंच पर मूंगफली के सुनहरा होने तक, लगातार हिलाते हुए भून लें। हरी मिर्च और प्याज डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 4-5 मिनट के लिए भून लें। पका हुआ टमाटर पल्प, चावल और ज़रुरत हो तो नमक डालकर हल्के हाथों मिला लें और धीमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। गरमा गरम परोसें। **सुलभ सुझाव:** 3/4 कप टमाटर के पल्प के लिए, 4 मध्यम टमाटर को मिक्सर में डालकर पीस लें और मुलायम मिश्रण बना लें। इसे डीप फ्रीज़र में 6 से 8 दिनों तक रखा भी जा सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**